दैनिक बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

एक विश्वास...

कठोर पानी आपके बालों और त्वचा ...8

बलरामपुर

रविवार , 28 जून 2026

वर्षः 05 अंक : 267 पृष्ठः 8

आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, में एक साथ प्रसारित ।

सम्पादक : राजेश शर्मा

9415163471, 9453824459 Dainik Budh ka sandesh @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

राम मंदिर चंदे पर विवाद के बीच अखिलेश यादव का बड़ा वादा

एसपी सत्ता में आई तो अयोध्या बनेगी सियाराम धाम

उत्तर प्रदेश में 2027 में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने ऐलान किया कि अगर उनकी पार्टी सत्ता में आती है तो वह अयोध्या के लिए क्या करेगी। राम मंदिर चंदे में कथित हेराफेरी के मामले को लेकर मचे राजनीतिक घमासान के बीच, यादव ने कहा कि भविष्य में बनने वाली एसपी सरकार अयोध्या को एक मिसाल बनने लायक धार्मिक शहर के तौर पर विकसित करेगी, जहाँ दुनिया भर से आने वाले श्रद्धालु सच्ची आध्यात्मिकता का अनुभव कर सकें। एक बयान में यादव ने कहा कि "अयोध्या की आध्यात्मिक पहचान को फिर से स्थापित करने के साथ–साथ वहां के निवासियों के अधिकारों और पारंपरिक गौरव की रक्षा के लिए न्याय और ईमानदारी से काम करेगी। पार्टी प्रमुख ने ₹ पर लिखा कि न्याय के प्रति निष्ठा और ईमानदारी के संकल्प के साथ, हम वादा करते हैं कि नई सरकार बनाकर हम अयोध्या को एक अनोखे और मिसाल कायम करने वाले धार्मिक शहर के तौर पर विकसित करेंगे, जहां दुनिया भर से आने वाले श्रद्धालु आध्यात्मिकता के असली अनुभव को महसूस कर सकें। भगवान राम के आशीर्वाद से, हम आस्था, भक्ति, अटूट विश्वास और सच्ची श्रद्धा पर आधारित श्रीसियाराम धाम" के रूप में अयोध्या की सदियों पुरानी आध्यात्मिक पहचान को फिर से स्थापित और मजबूत करेंगे। ऐसा करते हुए, हम अयोध्या के लोगों के पारंपरिक गौरव, सम्मान और अधिकारों को भी बहाल करेंगे। इन बयानों को 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों से पहले समाजवादी पार्टी की लोगों तक पहुंचने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

4 साल बाद नीतीश से मिले आरपी सिंह, क्या जदयू में होगी उनकी वापसी?

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री रामचंद्र प्रसाद सिंह ने 27 जून को पटना में जनता दल (यूनाइटेड) के प्रमुख और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की। इस मुलाकात के साथ ही, दोनों के बीच पिछली मुलाकात के बाद से चला आ रहा चार साल का लंबा अंतराल भी समाप्त हो गया। सिंह ने इस मुलाकात को बहुत सौहार्दपूर्ण बताया। उन्होंने कुमार के साथ अपने लंबे समय से चले आ रहे जुड़ाव को फिर से दोहराया और कहा कि राज्यसभा सांसद मेरे नेता रहे हैं, हैं और आगे भी रहेंगे। एएनआई से बात करते हुए सिंह ने कहा कि मैं 4 साल बाद नीतीश कुमार से मिला और बहुत अच्छा लगा... नीतीश कुमार मेरे नेता रहे हैं, हैं और आगे भी रहेंगे... मैं आज सालों बाद उनसे मिला और वे पूरी तरह स्वस्थ दिखे। सिंह ने नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार के बारे में टिप्पणी करते हुए कहा कि निशांत कुमार बेहतरीन काम करेंगे। उनका कोई निजी स्वार्थ नहीं है, उन्हें एक बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनका लक्ष्य सिर्फ यह सुनिश्चित करना है कि बिहार के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलें, और वे इसी दिशा में काम कर रहे हैं। एक्स पर सिंह ने लिखा कि आज मेरी मुलाकात बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री, जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद, हमारे नेता, माननीय नीतीश बाबू से हुई।

यूपी में इलेक्ट्रॉनिक्स क्रांतिः सीएम योगी ने रखी आधारशिला, बोले– भारत बनेगा आत्मनिर्भर

गौतम बुद्ध नगर । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को गौतम बुद्ध नगर में एम्बर और एसेंट के इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग प्लांट की आधारशिला रखने के कार्यक्रम में हिस्सा लिया और इलेक्ट्रॉनिक्स प्रोडक्शन और एक्सपोर्ट के लिए राज्य को एक हब बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों पर जोर दिया। उद्घाटन समारोह में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत को इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स मैन्युफैक्चरिंग का ग्लोबल हब बनाने का विजन है। उन्होंने कहा कि मकसद भारत को इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स का हब बनाना है, और इसी सोच ने हमें आज इस मुकाम पर पहुँचाया हैकृएक ऐसा पल जो हम सभी के लिए खुशी की बात है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि भारत अब इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि किसी ने कभी सोचा भी नहीं था कि जो प्रोडक्ट्स हम कभी ग्लोबल मार्केट से इम्पोर्ट करते थे, वे यहीं बनाए जा सकेंगे और दुनिया भर में एक्सपोर्ट किए जा सकेंगे। जेवर में हुए विकास का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि मौजूदा गवर्नेंस मॉडल के तहत इस इलाके में बड़ा बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि इस मजबूत रणनीति और प्रेरणादायक नेतृत्व की बदौलत, उत्तर प्रदेश में कभी जंगल राज (कानून–व्यवस्था की कमी) के लिए बदनाम रहा जेवर अब खुशहाली और सुशासन यानी श्मंगल राजश का केंद्र बन गया है। इससे पहले दिन में, मुख्यमंत्री योगी ने गोरखपुर में दो दिवसीय श्पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महा–अभियान 2026श का उद्घाटन किया और इसे भारतीय जनता पार्टी के एक बड़े वैचारिक और संगठनात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम का हिस्सा बताया। बीजेपी के वैचारिक और संगठनात्मक कार्यक्रम के तहत आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में पूरे क्षेत्र से पार्टी कार्यकर्ताओं और गणमान्य व्यक्तियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा, यह **BJP** ट्रेनिंग कैंप श्पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महा–अभियान का हिस्सा है।

तीन दिन के दौरे पर सेशेल्स पहुंचे पीएम मोदी, राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी ने किया गर्मजोशी से स्वागत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को तीन दिन की सरकारी यात्रा पर सेशेल्स पहुँचे। इस यात्रा के दौरान वे राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी के साथ बातचीत करेंगे और द्वीपों से बने इस देश के श्नेशनल डेश के गोल्डन जुबली समारोह में शामिल होंगे। सेशेल्स इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हर्मिनी और एक उच्च–स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने मोदी का भव्य स्वागत किया। प्रधानमंत्री को औपचारिक श्गार्ड ऑफ ऑनरश भी दिया गया। राष्ट्रपति हर्मिनी के निमंत्रण पर राजकीय यात्रा पर गए मोदी श्गेस्ट ऑफ ऑनरश के तौर पर नेशनल डे के समारोह में शामिल होंगे। वह सेशेल्स की नेशनल असेंबली को भी संबोधित करेंगे और वहां रहने वाले भारतीय समुदाय के लोगों से बातचीत करेंगे। अधिकारियों ने बताया कि समारोह में भारतीय सशस्त्र बलों का एक दल और भारतीय नौसेना के दो युद्धपोत भी भाग लेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने इससे पहले 2015 में सेशेल्स की यात्रा की थी। भारत और सेशेल्स के बीच साझा ऐतिहासिक, सांस्कृतिक तथा लोगों के बीच परस्पर संबंधों पर आधारित लंबे समय से घनिष्ठ साझेदारी रही है। अधिकारियों ने कहा कि हिंद महासागर क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण समुद्री पड़ोसी के रूप में सेशेल्स का भारत के विजन महासागर (क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास के लिए पारस्परिक एवं समग्र प्रगति) तथा ग्लोबल साउथ के प्रति भारत की प्रतिबद्धता में विशेष स्थान है। ग्लोबल साउथ शब्द का इस्तेमाल आम तौर पर आर्थिक रूप से कम विकसित देशों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है।

राम मंदिर ट्रस्ट से चंपत राय–अनिल मिश्रा के इस्तीफे की हुई आधिकारिक पुष्टि

बैठक में तय होगी अगली भूमिका

अयोध्या। राम मंदिर के लिए दिए गए दान में कथित चोरी के मामले में, राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद गिरि ने आधिकारिक तौर पर पुष्टि की है कि महासचिव चंपत राय ने ट्रस्ट से इस्तीफा दे दिया है। हालांकि राय के इस्तीफे की खबरें पहले ही सामने आ चुकी थीं, लेकिन ट्रस्ट के शीर्ष नेतृत्व की ओर से यह पहली आधिकारिक पुष्टि है।

इसके तुरंत बाद, राम मंदिर ट्रस्ट ने भी एक बयान जारी कर पुष्टि की कि उसे चंपत राय का इस्तीफा मिल गया है। ट्रस्ट ने आगे बताया कि ट्रस्टी अनिल मिश्रा ने भी अपना इस्तीफा सौंप दिया है। ये इस्तीफे ऐसे समय में आए हैं जब अयोध्या राम मंदिर में दान की कथित चोरी की जांच चल रही है। भक्तों के चढ़ावे के प्रबंधन में वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों के बाद इस मामले ने व्यापक ध्यान आकर्षित किया है, और स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम मामले की जांच कर रही है।

जांच में अब तक क्या पता चला है?: **SIT** ने 27 अप्रैल से 5 जून के बीच रिकॉर्ड किए गए **CCTV** फुटेज की जांच की और खबरों के मुताबिक, उन्हें लगभग 70 ऐसी घटनाएं मिलीं जिनमें दान की गिनती करने वाले कर्मचारी करीब 40 दिनों के दौरान कैश चुराते हुए देखे गए। जांच करने वालों का आरोप है कि कुछ आरोपी गिनती केंद्र के अंदर **CCTV** कैमरों की लोकेशन और ब्लाइंड स्पॉट (जहां कैमरे की नजर नहीं पड़ती) के बारे में जानते थे।

क्या राम मंदिर दान चोरी में चंपत राय की भूमिका है?

सूत्रों के अनुसार, जांच में दान की गिनती की प्रक्रिया के प्रशासन द्वारा प्रबंधन को लेकर चंपत राय की भूमिका की जांच की जा रही है। हालांकि जांचकर्ताओं ने यह आरोप नहीं लगाया है कि राय ने सीधे तौर पर गिनती या निगरानी कार्यों को संभाला, लेकिन एसआईटी ने कथित तौर पर सवाल उठाया है कि क्या संदिग्ध चोरी के बारे में शिकायतों को वरिष्ठ अधिकारियों के ध्यान में लाए जाने के बावजूद नजरअंदाज कर दिया गया था। सूत्रों का यह भी दावा है कि इस मामले में गिरफ्तार किए गए कई लोगों को चंपत राय और अनिल मिश्रा की सिफारिश पर दान–गिनती के कार्यों में लगाया गया था। रिपोर्ट में पर्याप्त पृष्ठभूमि सत्यापन के बिना कुछ कर्मचारियों की नियुक्ति पर भी सवाल उठाए गए हैं।

दिल्ली–एनसीआर में महसूस किए गए भूकंप के झटके, अफगानिस्तान था केंद्र, तीव्रता 6.2 रिकॉर्ड

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली और इसके आसपास के इलाके में शनिवार शाम को भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 6.2 रिकॉर्ड की गई। यह भारतीय समयानुसार 7 बजकर 4 मिनट पर महसूस किया गया। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक इसका केंद्र अफगानिस्तान था, जो जमीन से 215 किमी नीचे था। भूकंप के झटके महसूस होते ही लोग डर से अपने घरों और दफ्तरों से बाहर आ गए। यदि घर के अंदर हों– 1. जमीन पर तुरंत बैठ जाएं। एक मजबूत टेबल या किसी अन्य फर्नीचर के नीचे घुसकर उसे ढाल की तरह इस्तेमाल करें। कंपन बंद होने तक छिपे रहें। 2. कांच, खिड़कियों, बाहरी दरवाजों व दीवारों तथा प्रकाश की फिटिंग्स या फर्नीचर जैसी गिर सकने वाली किसी भी चीज से दूर रहें। 3. भूकंप आने के समय आप बिस्तर पर हैं तो वहीं बने रहें। अपने सिर की रक्षा एक तकिये से करें। 4. एक द्वार का प्रयोग तभी करें जब वह आपके करीब हो और अगर आप जानते हों कि वह भार वहन करने योग्य दरवाजा है। 5. लिफ्ट का उपयोग न करें।

पाला बदलने वाले सांसदो पर उद्धव ठाकरे का गुस्सा, बोले- सच्चे शिवसैनिक मेरे साथ

मुंबई। शिवसेना में चल रही राजनीतिक उथल–पुथल के बीच, पार्टी नेता उद्धव ठाकरे ने शनिवार को कहा कि असली शिवसैनिक अभी भी उनका समर्थन करते हैं। उन्होंने उन बागी सांसदों की आलोचना की जो हाल ही में शिवसेना के शिंदे गुट में शामिल हो गए थे। यवतमाल के दौरे पर पार्टी कार्यकर्ताओं से बात करते हुए ठाकरे ने बगावत पर शर्मिंदगी जाहिर की और कहा कि असली शिवसैनिक मेरे साथ हैं। जहाँ तक बाकियों की बात है, आप सभी उनका बर्ताव देख ही रहे हैं। मुझे सच में शर्म आती है कि वे इतने लंबे समय तक हमारे साथ बने रहे। यह दौरा यवतमाल–वाशिम के सांसद संजय देशमुख के पाला बदलने के बाद हुआय वे उन छह शिवसेना सांसदों में से एक थे जो एकनाथ शिंदे के गुट में शामिल हो गए थे। ठाकरे ने पाला बदलने वाले सांसदों पर आरोप लगाया कि उन्होंने अपनी सीटें सिर्फ उनके प्रचार और जनता के समर्थन की वजह से जीती थीं। उन्होंने कहा कि ये सांसद सिर्फ मेरे कहने पर चुने गए थे। अब उनमें यह कहने की हिम्मत है कि अपने चुनाव क्षेत्रों का दौरा करना बेकार है, जबकि वे चुने ही इसलिए गए थे क्योंकि मैंने उनके लिए दौरे किए थे। आज किसानों को गारंटीड न्यूनतम समर्थन मूल्य नहीं मिल रहा है, फिर भी इन बेकार और नए–नवेले सांसदों की कुर्सी सुरक्षित दिखती है। उन्होंने शुक्रवार को हुई पार्टी की एक बैठक का भी जिक्र किया और कहा कि उसके नतीजे जल्द ही सामने आएंगे। इस दौरे पर शिवसेना के सीनियर नेता अनिल देसाई और

पवन खेड़ा ने राजनाथ सिंह से पूछा, ऑपरेशन सिंदूर पर संसद को गुमराह किया या अनजान थे?

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने शनिवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की आलोचना की। यह आलोचना नेशनल वॉर मेमोरियल में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान शहीद हुए छह सुरक्षाकर्मियों के नाम उकेरे जाने के बाद की गई। एक्स पर एक पोस्ट में, खेड़ा ने ऑपरेशन सिंदूर के बारे में राजनाथ सिंह के संसदीय भाषण का एक क्लिप शेयर किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ भारत की जवाबी कार्रवाई से जुड़ी हालिया घटनाओं को लेकर केवल दो ही स्थितियां संभव हैं। खेड़ा ने कहा कि या तो रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को संसद में बोलते समय यह पता नहीं था कि छह सैनिक पहले ही शहीद हो चुके हैं। अगर ऐसा है, तो मंत्री पर गंभीर सवाल उठता है कि उन्हें उसी मंत्रालय के बारे में जानकारी नहीं है जिसके वे प्रमुख हैं। या फिर, उन्हें सच पता था और फिर भी उन्होंने संसद को गुमराह किया। यह बात और भी गंभीर है, क्योंकि इससे साबित होता है कि यह सरकार लोकतंत्र के मंदिर में देश से झूठ बोलती है शपथ वगैरह की परवाह किए बिना। इनमें से जो भी सच हो, कुछ तथ्य नहीं बदलते।

लाल किला ब्लास्टः भगोड़े डॉक्टर समेत 3 आतंकियों पर एनआईए की चार्जशीट, सामने आया बड़ा कनेक्शन

नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने शनिवार को नवंबर 2025 में राजधानी में लाल किले के पास हुए कार बम धमाके के मामले में तीन और आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की। घ्इस धमाके में 11 लोगों की मौत हो गई थी। मामले RC–21/2025/NIA/DLI में अपनी सप्लीमेंट्री चार्जशीट में छ। ने जम्मू–कश्मीर के जमीर अहमद अहंगर, तुफैल अहमद भट और मुजफर अहमद (उर्फ फराज उर्फ जफर) को आरोपी बनाया है। इसके साथ ही इस मामले में चार्जशीट किए गए लोगों की कुल संख्या 13 हो गई है, जिनमें मुख्य आरोपी डॉ. उमर उन नबी (जिनकी अब मौत हो चुकी है) भी शामिल हैं। फरार आरोपी मुजफर अहमद, जो एक पीडियाट्रिशियन है, की पहचान सह–आरोपी डॉ. अदील अहमद राथर के बड़े भाई और "AGuH इंटरिम (अल–कायदा से जुड़ी एक शाखा) के संस्थापक सदस्य के तौर पर हुई है। NIA की जांच से पता चला है कि मुजफर उन मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक था – जिसमें सह–आरोपी उमर, मुजम्मिल, अदील और मुफ्ती इरफान भी शामिल थे – जिनकी साजिश के कारण 10 नवंबर 2025 को घातक VBIED (गाड़ी में छिपाकर रखे गए इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) धमाका हुआ था।

मुजफर के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी

मुजफर के खिलाफ भी एक गैर–जमानती वारंट जारी किया गया है और उसे ढूँढने और गिरफ्तार करने की कोशिशें चल रही हैं। छ। की जाँच के अनुसार, AGuH के एक ओवरग्राउंड वर्कर जमीर का हैंडलर्स से लगातार संपर्क था और वह इस टेरर मॉड्यूल के लिए हथियार, गोला–बारूद और कैश पहुँचाने का काम करता था। प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर–ए–तैयबा के पूर्व OGW तुफैल ने इस मॉड्यूल के लिए हथियार सप्लायर का काम किया। उसने एक हैंडलर के जरिए डेड ड्रॉप (गुप्त रूप से सामान छोड़ने की जगह) से एक एके–47, एक क्रिंकोव राइफल, एक पिस्तौल, मैगजीन और जिंदा कारतूस हासिल किए थे और उन्हें मुख्य आरोपी डॉ. उमर उन नबी (जो अब मर चुका है) को 3 लाख रुपये में पहुँचाया था। नई दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट में NIA की स्पेशल कोर्ट में दायर चार्जशीट में गिरफ्तार आरोपियों जमीर और तुफैल पर UA(P) एक्ट की धाराओं 13, 18, 20, 23, 38 और 39, और BNS की धाराओं 61(2), 147, 148 और 152 के तहत आरोप लगाए गए हैं।

आठ तक के स्कूलों का समय परिवर्तित

जौनपुर। जनपद में पड रही भीषण गर्मी और तापमान में वृद्धि के कारण बच्चों के स्वास्थ्य पर पड रहे प्रतिकूल प्रभाव को ध्यान में रखते हुए, जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन के आदेश पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी समीर ने सभी बोर्डों के आठवीं तक के विद्यालयों के समय को परिवर्तित कर दिया है। विद्यालयों में शनिवार से अग्रिम आदेश तक अब कक्षाएं सुबह सात बजे से साढ़े ग्यारह बजे तक चलेंगी। परिषदीय विद्यालयों के शिक्षक, शिक्षा मित्र, अनुदेशक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी सुबह सात बजे से दोपहर साढ़े बारह बजे तक विद्यालय में उपस्थित रहकर शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं अन्य कार्यों को सम्पन्न करेंगे।गौरतलब है कि परिषदीय विद्यालय बीते 16 जून को खोले गये थे लेकिन भीषण गर्मी के कारण शासन की ओर से इन्हें बच्चों के लिए 24 जून तक बंद कर दिया गया था। बृहस्पतिवार को स्कूल खुले जरुर लेकिन गर्मी के कारण बच्चों की उपस्थिति कम ही रही। भीषण गर्मी के चलते बच्चों के स्वास्थ्य पर पड़ रहे प्रतिकूल प्रभाव के मद्देनजर जिलाधिकारी द्वारा लिए गये इस निर्णय से अभिभावक और बच्चे राहत महसूस कर रहे हैं।

मुठभेड़ में बदमाश में लगी गोली,तीन पिस्टल बरामद

जौनपुर। जिले में अवैध असलहों की तस्करी करने वाले गिरोह के खिलाफ पुलिस को सफलता मिली है। थाना केराकत, गौराबादशाहपुर पुलिस, सओजी व सर्विलांस टीम की संयुक्त कार्रवाई में पुलिस मुठभेड़ के दौरान गैंग लीडर शैलेश यादव के पैर में गोली लग गई, जबकि उसके तीन अन्य साथियों को भी गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों में एक बाल अपचारी भी शामिल है। पुलिस के अनुसार, मोहर्रम पर चेकिंग अभियान के दौरान सूचना मिली कि बगधरी नहर पुलिया पर पुलिस टीम पर फायरिंग कर चार बदमाश केराकत की ओर भाग रहे हैं। सूचना मिलते ही मल्लूपुर नहर पुलिया पर घेराबंदी की गई। पुलिस ने जब संदिग्ध बाइक सवारों को रोकने का प्रयास किया तो बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में गैंग लीडर शैलेश यादव के बाएं पैर में गोली लगी, जबकि बाकी तीन आरोपियों को घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया गया।पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे अवैध असलहों की खरीद–फरोख्त का संगठित गिरोह चलाते हैं और भारी मात्रा में हथियार सप्लाई करने जा रहे थे। पुलिस ने मौके से 3 देशी पिस्टल, 10 तमंचे, कारतूस, 2 मोटरसाइकिल और 3 मोबाइल फोन बरामद किए हैं।घायल शैलेश यादव को पुलिस अभिरक्षा में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बरामदगी के आधार पर थाना केराकत में मुकदमा दर्ज कर पुलिस गिरोह के नेटवर्क और अन्य सहयोगियों की तलाश में जुटी है।

पाठ्यक्रमों में प्रवेश परीक्षा 29 और 30 जून को

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में शैक्षणिक सत्र 2026ट्27 के विभिन्न स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा 29 एवं 30 जून को आयोजित की जाएगी। इस वर्ष विश्वविद्यालय परिसर के कुल 19 विषयों में प्रवेश के लिए परीक्षा प्रस्तावित है।प्रवेश परीक्षा के लिए अभ्यर्थियों के एडमिट कार्ड जारी कर दिए गए हैं। अभ्यर्थी अपने समर्थ लॉगिन के माध्यम से एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं।विश्वविद्यालय प्रशासन ने अभ्यर्थियों को निर्देश दिया है कि वे परीक्षा केंद्र पर निर्धारित समय से पहले पहुंचें तथा अपने साथ प्रवेश पत्र और एक वैध फोटो पहचान पत्र अवश्य लेकर आएं। परीक्षा केंद्र में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच, कैलकुलेटर अथवा अन्य प्रतिबंधित सामग्री ले जाने की अनुमति नहीं होगी। अभ्यर्थियों से परीक्षा संबंधी सभी निर्देशों का पालन करने तथा अनुशासन बनाए रखने की अपील की गई है।विश्वविद्यालय ने अभ्यर्थियों से आग्रह किया है कि वे प्रवेश परीक्षा से संबंधित सभी नवीनतम सूचनाओं के लिए विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर नजर बनाए रखें।

युवक ने पी खरपतवार नाशक दवा, गंभीर, रेफर

फतेहपुर–बाराबंकी। क्षेत्र के एक गांव में बीते देर रात घरेलू विवाद के चलते एक युवक ने घर में रखा कीटनाशक पदार्थ पी लिया। उल्टियां होने पर परिजनों को इसकी जानकारी हुई और आनन फानन में परिजन उसे स्थानीय सीएचसी लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद युवक की हालत को गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। मामला कोतवाली क्षेत्र के गांव हसनपुर टांडा का है। जहां पर स्थानीय निवासी सर्वेश पुत्र सुभाष उम्र (20) वर्ष बीती देर रात अपने ही परिवार के कुछ लोगों से घरेलू मामले को लेकर वाद विवाद होने लगा। माना जा रहा है कि परिवारिक विवाद से क्षुब्द होकर सर्वेश ने घर में रखा खरपतवार नाशक पैराक्वांट पी लिया। कुछ ही देर बाद सर्वेश उल्टियों के साथ हांफने लगा। परिजनों को उसने बैठ रही आवाज में बताया, कि खरपतवार नाशक पदार्थ पी लिया है। इतना सुनते ही परिजन बिना समय गंवाए उसको लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फतेहपुर पहुंचे। जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसकी हालत को गंभीर देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। परिजनों की मानें देर शाम तक उसके स्वास्थ्य में कोई सुधार नहीं आया है। वही पूरा परिवार किसी अप्रिय घटना को लेकर डरा हुआ है।

दिलीप सिंह परमार बनाए गए बने करणी सेना के प्रदेश महामंत्री

बाराबंकी। सिद्धौर ब्लॉक क्षेत्र की ग्राम मदारपुर रोशन जमा के निवासी दिलीप सिंह परमार को करणी सेना ने एक बड़ी सांगठनिक जिम्मेदारी सौंपते हुए उत्तर प्रदेश का नया प्रदेश महामंत्री नियुक्त किया है। यह निर्णय संगठन द्वारा समाज और राष्ट्र के हित में किए गए उनके उत्कृष्ट कार्यों, निरंतर जनसेवा और लोक–कल्याण के प्रति अटूट समर्पण को देखते हुए लिया गया है। करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष अभिनव सिंह और प्रदेश संगठन महामंत्री वीर प्रताप सिंह द्वारा संयुक्त रूप से जारी किए गए आधिकारिक नियुक्ति पत्र के माध्यम से इस घोषणा की पुष्टि की गई। संगठन के शीर्ष नेतृत्व ने इस बात पर पूरा भरोसा जताया है कि दिलीप सिंह अपनी नई कार्यशैली से पूरे उत्तर प्रदेश में सांगठनिक ढांचे को न केवल मजबूती प्रदान करेंगे, बल्कि बेहद गतिशील भी बनाएंगे। वे सभी करणी सैनिकों को एकजुट कर संगठन को सफलता के एक नए शिखर पर ले जाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

709 दिव्यांगजनों को मिले 1030 सहायक उपकरण, केंद्रीय राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने किया वितरण

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोण्डा। जनपद में भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के अंतर्गत एडीआईपीयोजना के तहत स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, गोण्डा के ऑडिटोरियम में शनिवार को एलिम्को द्वारा आयोजित सामाजिक अधिकारिता शिविर में जनपद के दिव्यांगजनों को निःशुल्क सहायक उपकरण वितरित किए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता गोण्डा के सांसद एवं केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने की शिविर में जनपद के 709 दिव्यांगजनों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप 1030 सहायक उपकरण वितरित किए गए। लाभार्थियों को 233 मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल, 335 ट्राईसाइकिल, 72 फोल्डिंग व्हीलचेयर, 326 बैसाखियां, 10 सीपी चेयर, 187 वॉकिंग स्टिक (छड़ी), 29 सुगम्य केन, 46 श्रवण यंत्र, 50 कुशन तकिए, एक एडीएल किट, चार टीएलएम किट, एक स्मार्टफोन, आठ रोलेटर तथा 55 फोल्डेबल वॉकर वितरित किए गए। इन लाभार्थियों का परीक्षण 15 से 22 जनवरी 2025 तथा 6 से 12 मई 2026 तक आयोजित परीक्षण शिविरों में किया गया था।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में दिव्यांगजनों के सम्मान, आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण के लिए देशभर में हजारों एडीआईपी शिविर आयोजित किए जा चुके हैं। इन शिविरों के माध्यम से लाखों दिव्यांगजन आधुनिक सहायक उपकरण प्राप्त कर अपने जीवन को अधिक सुगम बना रहे हैं तथा विभिन्न क्षेत्रों में नई–नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों की कठिनाइयों को समझना और उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप सहायता उपलब्ध कराना सरकार एवं समाज दोनों की जिम्मेदारी है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि जो पात्र लाभार्थी इस बार किसी कारणवश उपकरण प्राप्त नहीं कर सके हैं, उन्हें आगामी वितरण शिविर में प्राथमिकता के आधार पर लाभान्वित किया जाए। इसके लिए उन्होंने जिलाधिकारी को निर्देशित किया कि छूटे हुए सभी पात्र दिव्यांगजनों का चिन्हांकन कर उनकी सूची तैयार कराई जाए, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति योजना के लाभ से वंचित न रहे।

केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि दिव्यांगजनों को सरकारी योजनाओं का लाभ और अधिक सरलता से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उनके लिए एक विशेष कार्ड विकसित किए जाने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है, जिससे विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ उन्हें सहज रूप से प्राप्त हो सके।डीएम प्रियंका निरंजन ने कहा कि जिला प्रशासन का प्रयास है कि जनपद का कोई भी पात्र दिव्यांगजन शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे।उन्होंने बताया कि एलिम्को और संबंधित विभागों के समन्वय से पात्र लाभार्थियों का चिन्हांकन कर उनकी आवश्यकता के अनुरूप सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय राज्य मंत्री के निर्देशों के क्रम में छूटे हुए पात्र दिव्यांगजनों का पुनः सर्वेक्षण कर उनकी सूची तैयार कराई जाएगी, ताकि आगामी शिविर में उन्हें भी योजना का लाभ दिलाया जा सके। साथ ही सभी संबंधित विभागों को दिव्यांगजन कल्याण से जुड़ी योजनाओं का लाभ समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाने के निर्देश दिए गए हैं।कार्यक्रम के समापन पर केंद्रीय राज्य मंत्री ने हरी झंडी दिखाकर मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल एवं अन्य सहायक उपकरण प्राप्त करने वाले दिव्यांगजनों को रवाना किया तथा उनके उज्ज्वल एवं आत्मनिर्भर भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

लक्ष्मनपुर हरिवंश में बदहाल सड़क, कीचड़ में चलने को मजबूर सैकड़ों परिवार

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोण्डा। जनपद में प्रदेश सरकार भले ही विकास और बेहतर बुनियादी सुविधाओं के बड़े–बड़े दावे कर रही हो,लेकिन गोंडा शहर से सटे लक्ष्मनपुर हरिवंश की तस्वीर इन दावों की हकीकत बयां करती नजर आती है।शहर की सब्जी मंडी से चंद मीटर और इंजीनियरिंग कॉलेज से कुछ ही दूरी पर स्थित इस बस्ती में आज भी आजादी के दशकों बाद सड़क का अभाव बना हुआ है।अनिरुद्ध कुमार उर्फ ननके के घर से मुर्हवा जाने वाला संपर्क मार्ग पूरी तरह कच्चा है,जो बरसात में कीचड़ और जलभराव से दलदल में तब्दील हो जाता है।इस मार्ग पर रहने वाले सैकड़ों परिवार रोजाना जान जोखिम में डालकर आवागमन करने को मजबूर हैं।स्कूल जाने वाले बच्चों, बुजुर्गों,महिलाओं और मरीजों को सबसे अधिक परेशानी झेलनी पड़ती है। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार बच्चे कीचड़ में फिसलकर गिर चुके हैं, जबकि दोपहिया वाहन अक्सर फंस जाते हैं।बारिश के दिनों में लोगों का घरों से निकलना तक मुश्किल हो जाता है।प्राप्त सूचना के अनुसार स्थानीय निवासियों के अनुसार वर्षों से ग्राम प्रधान से लेकर प्रशासनिक अधिकारियों तक गुहार लगाई जा चुकी है।विधायक,सांसद और विभिन्न जनसुनवाई कार्यक्रमों में भी सड़क निर्माण की मांग उठाई गई, लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिला।

इतना ही नहीं,मुख्यमंत्री शिकायत पोर्टल पर भी कई बार शिकायत दर्ज कराई गई, लेकिन बिना मौके का निरीक्षण किए कागजी रिपोर्ट लगाकर शिकायतों का निस्तारण कर दिया गया। नतीजा यह है कि सड़क की स्थिति आज भी जस की तस बनी हुई है।ग्रामीणों का आरोप है कि गोंडा शहर से सटा होने के बावजूद लक्ष्मनपुर हरिवंश विकास की मुख्यधारा से पूरी तरह कट गया है। लोगों ने बताया कि ग्राम प्रधान अंजू यादव और ग्राम पंचायत सचिव खेमराज वर्मा से कई बार सड़क निर्माण की मांग की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई।विनय पाण्डेय, रमाकांत मिश्रा, राजकुमार गुप्ता, अनूप, अजय कुमार, अभिषेक अग्रहरि, राजेश कुमार, सुरेश कुमार, राम संजीवन, शिव ओम, राजन, अमित शर्मा, अनिल वर्मा, नागेश्वर प्रसाद सहित दर्जनों ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र सड़क निर्माण नहीं कराया गया तो वे मंडलायुक्त से मिलकर अपनी समस्या रखेंगे तथा आगामी विधानसभा चुनाव में जनप्रतिनिधियों के विरोध का अभियान चलाएंगे। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक सड़क निर्माण का कार्य शुरू नहीं होता, तब तक उनका विरोध जारी रहेगा।स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते सड़क का निर्माण नहीं कराया गया तो बरसात के पूरे मौसम में सैकड़ों परिवारों को इसी तरह कीचड़, जलभराव और बदहाल रास्तों के सहारे जीवनयापन करना पड़ेगा, जो विकास के दावों पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

जिला प्रशासन ने पेट्रोलियम उत्पादों की खुदरा बिक्री पर केंद्र सरकार के प्रतिबंधों में कृषकों एवं अत्यावश्यक सेवाओं में दी छूट

कुशीनगर। जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर ने पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार की अधिसूचना तथा मोटर स्पिरिट और उच्च वेग डीजल, खुदरा विक्रय केन्द्रों के माध्यम से प्रदाय का अस्थायी विनियमन आदेश के अंतर्गत जारी निर्देशों के क्रम में किसानों एवं अत्यावश्यक सेवाओं में छूट प्रदान किया है। जारी आदेश के अनुसार संस्थागत, औद्योगिक एवं व्यावसायिक उपभोक्ताओं को खुदरा बिक्री केंद्रों पेट्रोल पंपों से पेट्रोल (एमएस) एवं डीजल (एचएसडी) खरीदने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। वे अपनी आवश्यकता केवल अपने उपभोक्ता पंपों से ही पूरी करेंगे। खुदरा बिक्री केंद्रों पर सख्त प्रावधान लागू किए गए हैं। डीजल केवल वाहन के टैंक या चैन्ट अनुमोदित कंटेनर में ही बेचा जाएगा। एक दिन में एक ग्राहक, वाहन को अधिकतम 200 लीटर डीजल ही दिया जाएगा। इस डीजल की पुनः बिक्री नहीं की जा सकेगी। कृषकों एवं अत्यावश्यक सेवाओं में रबी फसल कटाई, खरीफ तैयारियों, शासकीय निर्माण कार्यों (रेलवे, सड़क, भवन निर्माण आदि) तथा अस्पताल, मोबाइल टावर जैसी अत्यावश्यक सेवाओं को ध्यान में रखते हुए जिलाधिकारी ने छूट प्रदान करने का निर्णय लिया है। कृषकों को कृषि कार्य हेतु एक बार में अधिकतम 20 लीटर डीजल उपलब्ध कराया जा सकता है। अन्य सरकारी निर्माण कार्यों एवं चिन्हित अत्यावश्यक सेवाओं के लिए संबंधित विभागों द्वारा जिला पूर्ति अधिकारी, कुशीनगर के माध्यम से जिलाधिकारी को मांग पत्र प्रस्तुत करने पर अनुमति के बाद ही अतिरिक्त डीजल उपलब्ध कराया जाएगा। जिलाधिकारी ने सभी पेट्रोल पंप डीलरों, तेल विपणन कंपनियों के स्थानीय अधिकारियों तथा जिला पूर्ति अधिकारी को उक्त आदेश का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिया हैं। किसी भी प्रकार के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह आदेश 90 दिनों की प्रारंभिक अवधि के लिए प्रभावी रहेगा या जब तक केंद्र, राज्य सरकार द्वारा इसे रद्द, संशोधित नहीं किया जाता।

सोशल मिडिया पर स्वामी प्रसाद मौर्य को जूते से मारने की धमकी पर कार्यकर्ताओ ने दी तहरीर

कुशीनगर। अपनी जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य को सोशल मीडिया फेसबुक पर जूते से मारने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। आरोप तमकुहीराज नगर पंचायत के चेयरमैन जे.पी. गुप्ता पर लगा है। पार्टी के जिला उपाध्यक्ष सलमान गुप्ता ने पुलिस क्षेत्राधिकारी तमकुहीराज को तहरीर देकर तत्काल मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। 25 जून को पोस्ट, वायरल हुई धमकी– तहरीर के मुताबिक, 25 जून गुरुवार को चेयरमैन जे.पी. गुप्ता ने अपने निजी फेसबुक अकाउंट से स्वामी प्रसाद मौर्य के खिलाफ असभ्य और आपत्तिजनक टिप्पणी की। पोस्ट में जूते से मारने की धमकी देने के साथ कुशीनगर आगमन पर जान से मारने की बात भी कही गई। आरोप है कि फोन पर भी कई लोगों से यही बात दोहराई गई। शिकायतकर्ता सलमान गुप्ता ने लिखा है कि स्वामी प्रसाद मौर्य यूपी में कई बार कैबिनेट मंत्री व नेता विपक्ष रह चुके हैं। पडरौना से तीन बार विधायक रहे हैं। उनकी अपनी जनता पार्टी का कैडर यूपी के 75 जिलों सहित कई राज्यों में है। चेयरमैन की टिप्पणी से पार्टी के लाखों पदाधिकारियों और अनुयायियों की भावनाएं आहत हुई हैं। राष्ट्रीय नेता की जानमाल का खतरा बढ़ गया है। तहरीर में कहा गया कि 27.06.2026 तक भी जे.पी. गुप्ता के फेसबुक पर वह धमकी भरी पोस्ट मौजूद है और वायरल हो रही है। इससे पूरे यूपी और देश में पार्टी कार्यकर्ताओं में रोष है। प्रार्थी ने ब से मांग की है कि ऐसी गंभीर टिप्पणी करने और जान से मारने की धमकी देने वाले चेयरमैन पर उचित न्यायिक व त्वरित दंडनीय कार्रवाई की जाए। तहरीर के साथ फेसबुक पोस्ट का स्क्रीनशॉट भी संलग्न किया गया है। शिकायतकर्ताओं में सलमान गुप्ता, धर्मपाल राही समेत अन्य पदाधिकारी शामिल हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

उत्तर प्रदेश में सर्वश्रेष्ठ बना गोंडा डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र, केंद्रीय मंत्री ने कर्मचारियों का बढ़ाया उत्साह

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोण्डा। जनपद के संसदीय क्षेत्र गोण्डा में सबसे नजदीकी और सुविधाजनक डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र है।यह हेड पोस्ट ऑफिस, जेल रोड,हाउसिंग कॉलोनी, गोण्डा, उत्तर प्रदेश 271001 में स्थित है। यह केंद्र सामान्य आवेदन, री–इश्यू और अन्य पासपोर्ट संबंधित सेवाओं के लिए सबसे उपयुक्त है।इसी सुविधाओं को लेकर उत्तर प्रदेश में श्रेष्ठ अवार्ड से डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र गोण्डा को नवाजा गया है।इस उपलब्धि पर गोण्डा के सांसद और केंद्रीय राज्य मन्त्री कीर्तिवर्धन सिंह ने डाक घर पासपोर्ट सेवा केंद्र पर पहुंचे जहां पर उनका स्वागत क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी ज्ञानवीर सिंह और आनन्द कुमार सिंह डाकघर निदेशक ने गुलदस्ता भेंट कर किया। सांसद कीर्तिवर्धन सिंह केन्द्रीय राज्य मंत्री ने सबसे कर्मचारीयों से मिलकर,इस खुशी

पहले इस खुशी में वृक्षारोपण किया उसके उपरांत डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र गोण्डा के को पासपोर्ट सेवा केंद्र के कर्मचारियों संग बधाई के साथ साझा कर कर्मचारियों का उत्साहवर्धन किया।इस उपलब्धि पर विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने कहा की जनपद की जनता को जहां पहले पासपोर्ट बनवाने के लिए लखनऊ जाना पड़ता था,अब वही सुविधाएं गोण्डा जनपद सहित लगभग उत्तर प्रदेश में मुख्य रूप से 3 क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय हैं। इसके अलावा राज्य में 6 पासपोर्ट सेवा केंद्र और 40 से अधिक डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र काम कर रहे हैं। लेकिन प्रदेश में श्रेष्ठ अवार्ड से संसदीय क्षेत्र गोण्डा का डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र को उपलब्धि मिली है जो प्रशंसनीय है।इस अवसर डाकघर अधीक्षक एस.पी. राय. डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र के सत्यापन अधिकारी एस.के. त्रिपाठी,सीएसई कुलदीप सिंह,सीएससी चांदनी सहित डाकघर गोण्डा का स्टाफ मौजूद रहा।

आर एस एस ने हर्षोल्लास के साथ मनाया हिंदू साम्राज्य स्थापना दिवस उत्सव

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सोनभद्र नगर द्वारा हिंदू साम्राज्य स्थापना दिवस उत्सव के अनुक्रम में शनिवार को सोनभद्र नगर स्थित रामलीला मैदान में हिंदू साम्राज्य स्थापना दिवस का कार्यक्रम अत्यंत हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ छत्रपति शिवाजी महाराज, परम पूजनीय डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार (डॉक्टर साहब) एवं परम पूजनीय गुरुजी (माधव सदाशिव गोलवलकर) के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर, एकल गीत एवं अमृत वचन के साथ हुआ।कार्यक्रम में प्रांत संघ चालक अंगराज, जिला संघ चालक हर्ष अग्रवाल तथा नगर संघ चालक संगम मंचासीन रहे।

प्रांत संघ चालक अंगराज ने अपने बौद्धिक उद्बोधन में कहा कि हिंदू साम्राज्य दिवस केवल एक ऐतिहासिक उत्सव नहीं, बल्कि स्वराज्य, आत्मगौरव, संगठन और राष्ट्रचेतना का प्रेरणादायी पर्व है। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक भारतीय इतिहास की वह गौरवशाली घटना है, जिसने निराशा के वातावरण में समाज में आत्मविश्वास का संचार किया तथा हिंदवी स्वराज्य की स्थापना का मार्ग प्रशस्त किया।उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज ने अपने अद्वितीय पराक्रम, कुशल नेतृत्व, सुशासन, संगठन क्षमता एवं दूरदर्शी नीतियों के बल पर राष्ट्र, धर्म और संस्कृति की रक्षा का कार्य किया। उन्होंने महिलाओं के सम्मान, न्यायपूर्ण शासन, अनुशासित सेना, सुदृढ़ प्रशासन तथा समाज के प्रत्येक वर्ग को साथ लेकर चलने की नीति अपनाई, जो आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत है।उन्होंने स्वयं सेवकों से आह्वान किया कि वे छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानते हुए समाज में संगठन, समरसता, सेवा और राष्ट्रीय चेतना के कार्यों को गति दें तथा संघ के शताब्दी वर्ष में अधिकाधिक लोगों को राष्ट्र निर्माण के इस अभियान से जोड़ें।कार्यक्रम में सह नगर संघ चालक संतोष, विभाग के राम लगन, अवध, नीरज, जिला व्यवस्था प्रमुख कीर्तन, जिला प्रचार प्रमुख नीरज, नगर कार्यवाह विश्वनाथ, सह नगर कार्यवाह अनिल, नगर प्रचार प्रमुख ष्ण प्रताप, नगर व्यवस्था प्रमुख जे.बी. सिंह, नगर शारीरिक प्रमुख नीतीश, नगर व्यवस्था प्रमुख जंग बहादुर, नगर बौद्धिक प्रमुख ष्ण कुमार, महाविद्यालय विद्यार्थी प्रमुख आशुतोष, विद्यार्थी कार्य प्रमुख अंकित, विनय, बच्चन, ललित, विनोद, नित्यानंद, पवन, धीरज, सत्यम सहित बड़ी संख्या में स्वयंसेवक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।कार्यक्रम का सफल संचालन जिला कार्यवाह दिनेश ने किया तथा कार्यक्रम का समापन संघ की प्रार्थना के साथ हुआ।

पुलिस एवं एस.बी..एस ने 75 लीटर के साथ अभियुक्त का दबोचा

दैनिक बुद्ध का संदेश

लोटन/सिद्धार्थनगर। थाना लोटन पुलिस व SSB की संयुक्त टीम द्वारा समय बीती रात लगभग 9बजे कुल 75 लीटर डीजल (एक गैलन में 25 ली – दूसरे गैलन में 50 ली) के साथ01नफरअभियुक्त मय 01 अदद मोटर साइकिल को बरामद कर अन्तर्गत धारा–11 कस्टम अधिनियम मेंकस्टम कार्यालय ककरहवा भेजागया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर के आदेश पर एवं प्रशान्त कुमार प्रसाद, अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर के निर्देशन में व विश्वजीत सौरयान क्षेत्राधिकारी सदर के कुशल पर्यवेक्षण में हरी ओम कुशवाहा थानाध्यक्ष लोटन मय टीम द्वारा आज दिनांक 26.06.2026 को अपराध एवं अपराधियों व रोकथाम तस्करी के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत थाना लोटन संतोष साहनी पुत्र अनिरुद्ध उम्र 28 निग्राम पिपरहवा को लोटन पुलिस SSB की संयुक्त टीम उप निरीक्षक हरिओम कुशवाहा ,राहुल गुप्ताद्वारा ,का. विजय यादव, का.बलराम यादव ¹विजय कुमार SSB BOP हरिवंशपुर, CT GD दीप नरायन शर्मा SSB हरिवंशपुर CT GDआकाश कुमार SSB हरिवंशपुर, नें 75 लीटर डीजल (एक गैलन में 25 ली – दूसरे गैलन में 50 ली) के साथ एक नेपाली अभियुक्त को मय मोटरसाइकिल के साथ गांव चिउरहिया के पगडण्डी के से जाने वाले रास्ते पर इण्डो नेपाल बॉर्डर पर चेकिंग के दौरान बरामद किया गया बरामद शुदा सामान को अग्रिम विधिक कार्यवाही हेतु कस्टम कार्यालय ककरहवा भेजा गया।

सीएचसी बसन्तपुर बाँसी में अग्निशमन की मॉक ड्रिल, स्टाफ को दिए गए सुरक्षा के टिप्स

दैनिक बुद्ध का संदेश

बाँसी/सिद्धार्थनगर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बसन्तपुर, बाँसी में शनिवार को अग्निशमन विभाग द्वारा मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। मॉक ड्रिल का उद्देश्य अस्पताल परिसर में आग लगने की स्थिति में मरीजों व स्टाफ को सुरक्षित बाहर निकालना और अग्निशमन उपकरणों के इस्तेमाल की जानकारी देना था। अग्निशमन कर्मियों ने अस्पताल स्टाफ को आग बुझाने के यंत्रों को चलाने का प्रशिक्षण दिया। फायर एक्सटिंग्विशर, फायर हाइड्रेंट और सैंड बकेट के इस्तेमाल का लाइव डेमो दिया गया। साथ ही इमरजेंसी निकास द्वार से मरीजों को बाहर निकालने की रिहर्सल भी कराई गई। एचसी अधीक्षक ने बताया कि अस्पताल में बड़ी संख्या में मरीज भर्ती रहते हैं। ऐसे में आग जैसी आपात स्थिति से निपटने के लिए स्टाफ का प्रशिक्षित होना बेहद जरूरी है। मॉक ड्रिल से स्टाफ में जागरूकता आई है। अग्निशमन अधिकारी ने कहा कि अस्पतालों में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की घटनाएं बढ़ रही हैं। इसलिए सभी डॉक्टर, नर्स व वार्ड बॉय को बेसिक फायर फाइटिंग की ट्रेनिंग होनी चाहिए। मॉक ड्रिल के दौरान सीएचसी बसंतपुर बांसी के डॉक्टर, अधीक्षक, डॉ निरंजन प्रताप सिंह, बी पी एम ओ पी द्विवेदी, बी सी पी एम प्रदीप जाटव, हरीश ऑपरेटर, वैभव श्रीवास्तव, प्रीति स्टाफ नर्स, फार्मासिस्ट, वार्ड बॉय व अग्निशमन विभाग की टीम मौजूद रही।

खेसरहा पुलिस की कम्युनिटी पुलिसिंग अभियान के तहत पिढ़िया गांव में वरिष्ठ नागरिकों के साथ पुलिस की जनसंवाद गोष्ठी

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। कम्युनिटी पुलिसिंग अभियान के तहत थाना खेसरहा पुलिस ने शनिवार को थाना क्षेत्र के ग्राम पिढ़िया में वरिष्ठ नागरिकों के साथ जनसंवाद एवं गोष्ठी का आयोजन किया। कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों ने बुजुर्गों की समस्याएं सुनीं तथा उन्हें हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया।यह कार्यक्रम वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देश, अपर पुलिस अधीक्षक प्रशान्त कुमार प्रसाद के कुशल निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी बांसी शुबेन्दु सिंह के पर्यवेक्षण में आयोजित किया गया। थानाध्यक्ष अनूप कुमार मिश्र के नेतृत्व एवं कम्युनिटी पुलिसिंग यूनिट (छ्त्र) के प्रभारी उपनिरीक्षक बीरेन्द्र सिंह की मौजूदगी में आयोजित गोष्ठी में ग्रामीणों से सीधा संवाद किया गया। गोष्ठी के दौरान पुलिस टीम ने वरिष्ठ नागरिकों का कुशलक्षेम जाना और उनकी समस्याओं की जानकारी ली। उपस्थित ग्रामीणों ने बताया कि उन्हें वृद्धावस्था पेंशन का लाभ नियमित रूप से मिल रहा है तथा वर्तमान में किसी अन्य प्रकार की समस्या नहीं है। पुलिस टीम ने ग्रामीणों को कम्युनिटी पुलिसिंग यूनिट का संपर्क नंबर उपलब्ध कराया और किसी भी आपात स्थिति या समस्या होने पर तत्काल पुलिस से संपर्क करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही पुलिस ने लोगों से कानून व्यवस्था बनाए रखने और पुलिस के साथ समन्वय बनाकर कार्य करने की अपील की इस अवसर पर उपनिरीक्षक बीरेन्द्र सिंह, हेड कांस्टेबल राहुल सिंह तथा हेड कांस्टेबल ओमप्रकाश उपाध्याय सहित कम्युनिटी पुलिसिंग यूनिट के अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

मिशन शक्तिफेज 5.0 के तहत बिसरी गांव में बहू-बेटी सम्मेलन, महिलाओं को साइबर अपराध व सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। मिशन शक्ति फेज 5.0 (द्वितीय चरण) अभियान के तहत शनिवार को थाना खेसरहा की मिशन शक्ति टीम ने थाना क्षेत्र के ग्राम बिसरी में बहू–बेटी सम्मेलन एवं साइबर जागरूकता चौपाल का आयोजन किया। इस दौरान महिलाओं और बालिकाओं को महिला सुरक्षा, साइबर अपराध से बचाव तथा सरकारी हेल्पलाइन सेवाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण, क्षेत्राधिकारी बांसी शुबेंदु सिंह तथा थानाध्यक्ष अनूप कुमार मिश्र के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में मिशन शक्ति टीम ने ग्रामीण महिलाओं से संवाद कर उन्हें आत्मरक्षा, महिला अपराधों की रोकथाम और साइबर ठगी से बचने के उपाय बताए। साथ ही मिशन शक्ति 5.0 के स्टिकर भी चस्पा किए गए। चौपाल के दौरान महिलाओं को बताया गया कि वे किसी भी प्रकार की समस्या होने पर थानों में स्थापित मिशन शक्ति केंद्र एवं साइबर सेल से संपर्क कर सकती हैं। टीम ने उपस्थित महिलाओं से उनकी समस्याओं के बारे में भी जानकारी ली, जिस पर किसी ने कोई शिकायत नहीं बताई। कार्यक्रम में महिलाओं को 1090 वूमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 112 पुलिस हेल्पलाइन, 1930 साइबर हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 108 एंबुलेंस, 101 अग्निशमन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन तथा 14567 एल्डर हेल्पलाइन सहित विभिन्न आपातकालीन सेवाओं और नए कानूनों की जानकारी भी दी गई। इस अवसर पर मिशन शक्ति टीम के उपनिरीक्षक जियाउल्लाह, उपनिरीक्षक चंद्रिका प्रसाद मौर्य, कांस्टेबल अरुण पांडेय, महिला आरक्षी गार्गी मिश्रा एवं महिला आरक्षी संगीता उपस्थित रहीं।

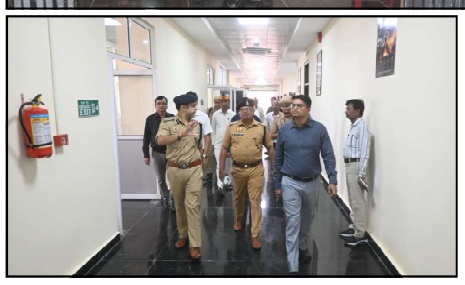

कनपुरवा चौराहे पर कार-बाइक की आमने-सामने टक्कर, बाइक सवार घायल

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। थाना खेसरहा क्षेत्र के बेलौहा–बांसी मार्ग स्थित कनपुरवा चौराहे पर शुक्रवार रात करीब 8 बजे कार और बाइक की आमने–सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार नौसाद अली पुत्र नवाब अली निवासी पचमोहनी थाना खेसरहा गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक क्षतिग्रस्त हो गई और घायल सड़क पर गिर पड़ा। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने तत्काल थाना खेसरहा पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर प्रभारी निरीक्षक अनूप कुमार मिश्रा, उपनिरीक्षक अजीत कुमार तथा पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस के पहुंचने तक घायल के परिजन उसे उपचार के लिए एक निजी अस्पताल ले जा चुके थे, जहां उसका इलाज जारी है। चिकित्सकों के अनुसार घायल की हालत पर लगातार नजर रखी जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दुर्घटना के बाद कार चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त कार को कब्जे में लेकर थाने भेज दिया है। दोनों पक्षों की ओर से तहरीर दिए जाने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और फरार चालक की तलाश की जा रही है। पुलिस का कहना है कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। तहरीर और साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। वहीं, स्थानीय लोगों ने कनपुरवा चौराहे पर बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं को देखते हुए यातायात व्यवस्था सुदृढ़ करने और वाहन चालकों से सावधानीपूर्वक वाहन चलाने की अपील की है।

राज्यपाल को लेकर कपिलवस्तु विश्वविद्यालय पहुंचकर डीएम-एसएसपी ने परखी सुरक्षा व्यवस्था

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जनपद में प्रस्तावित राज्यपाल के दौरे को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। जिलाधिकारी "शिवशरणप्पा जीएन" एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक "डा. अभिषेक महाजन" ने शनिवार को कपिलवस्तु विश्वविद्यालय पहुंचकर कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के प्रस्तावित आगमन को देखते हुए कार्यक्रम स्थल, हेलीपैड, प्रवेश एवं निकास मार्ग सहित अन्य महत्वपूर्ण स्थलों का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, बैरिकेडिंग तथा अधिकारियों की तैनाती से जुड़े विभिन्न बिंदुओं की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने निर्देशित किया कि कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार की कमी न रहे तथा सभी व्यवस्थाएं समय से पूर्ण कर ली जाएं। उन्होंने अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने और प्रत्येक व्यवस्था की सूक्ष्म निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) "गौरव श्रीवास्तव", अपर पुलिस अधीक्षक "प्रशांत कुमार", थाना कपिलवस्तु के थानाध्यक्ष सहित अन्य प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी तथा कर्मचारी उपस्थित रहे।

बाइक के पहिये में फंसा पैर, 108 की सर्विस ने बचाई जान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिले के इमलिया गांव निवासी जयप्रकाश पुत्र कोदई उम्र 45 साल आवश्यक कार्य करके अपने गांव वापस जा रहे थे रास्ते में बाइक से दुर्घटना होने के कारण काफी जख्मी हो गए घटना के तुरंत बाद वहां मौजूद राहगीरों ने आपातकालीन सहायता के लिए 108 एंबुलेंस सेवा को सूचना दी। सूचना मिलते ही सीएचसी इटवा पर तैनात एंबुलेंस संख्या न्द32थ्र्व्2319 के ईएमटी दिनेश कुमार एवं पायलट श्यामलाल ने घटनास्थल पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया। इस दौरान ईएमटी द्वारा फोन पर ही राहगीरों को प्राथमिक उपचार संबंधी आवश्यक निर्देश भी दिए गए। घटनास्थल पर पहुंचकर टीम ने घायल का प्राथमिक उपचार किया और उन्हें सुरक्षित रूप से एंबुलेंस में शिफ्ट किया। इसके बाद ट्रेनर आलोक एवं म्व्ब डॉ. हरीश द्विवेदी के मार्गदर्शन में मरीज को तत्काल सीएचसी इटवा अस्पताल, इटवा में भर्ती कराया गया। समय पर मिली चिकित्सा सहायता और एंबुलेंस कर्मियों की तत्परता के कारण मरीजों को शीघ्र उपचार उपलब्ध हो सका। मरीज के परिजनों एवं चिकित्सकों ने 108 एंबुलेंस सेवा की सराहना करते हुए कहा कि ईएमटी द्वारा घटनास्थल पर दी गई बेहतर प्राथमिक चिकित्सा से अस्पताल पहुंचने के बाद उपचार में महत्वपूर्ण समय की बचत होती है, जिससे मरीज के स्वस्थ होने की संभावना और अधिक बढ़ जाती है। 108 एंबुलेंस सेवा बार बार आपातकालीन परिस्थितियों में लोगों के लिए जीवन रक्षक साबित हो रही है जिससे लोगो का भरोसा दिन ब दिन बढ़ता जा रहा है।

शैक्षिक कैलेंडर का अनुपालन करें : डीके पाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। ग्रीष्मकालीन अवकाश के पश्चात परिषदीय विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक वातावरण के सृजन हेतु शैक्षिक कैलेंडर के प्रभावी अनुपालन सहित बच्चों के शत–प्रतिशत नामांकन, उपस्थिति एवं ठहराव को सुनिश्चित किया जाए। ब्लॉक संसाधन केंद्र मिठवल में आयोजित तैयारी एवं समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए बीईओ धर्मेन्द्र कुमार पाल ने प्रधानाध्यापकों को विद्यालय प्रांगण की स्वच्छता, सघन वृक्षारोपण, आईसीटी लैब एवं पुस्तकालय की सक्रियता, अपार आईडी, रसोइया चयन एवं नवीनीकरण तथा कैशलेश चिकित्सा आदि के विषय में चर्चा करते हुए शिक्षकों को पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य संपादित करने हेतु अभिप्रेरित किया। खंड शिक्षा अधिकारी ने कहा कि शिक्षक टीएलयम एवं शैक्षिक नवाचार आधारित गतिविधियों से शिक्षण कार्य को सरल,रोचक एवं बाल केंद्रित बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा सभी नामांकित बच्चों के अभिभावकों के बैंक खातों में प्रोत्साहन राशि का प्रेषण सुचारु रूप से हो सके इसके लिए नामांकित बच्चों का वेरिफिकेशन डीबीटी ऐप पर जल्द से जल्द कर दिया जाए। कुल तीस सूत्रीय समीक्षा बैठक में बीईओ द्वारा निपुण प्लस ऐप पर बच्चों के नियमित आंकलन, समावेशी शिक्षा, एमडीएम, यूडायस, डिजिटल रजिस्टर तथा शारदा पोर्टल संबंधित सम सामयिक सूचना प्रबंधन के विषय में विस्तृत चर्चा करते हुए शिक्षकों को शिक्षक डायरी एवं पाठ योजना आदि के नियमित प्रयोग से गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक वातावरण सृजन हेतु अभिप्रेरित किया गया। बैठक में बड़ी संख्या में प्रधानाध्यापक एवं प्रभारी गण की उपस्थिति रही।

28 जून से शुरू होगा पल्स पोलियो अभियान, सीएचसी खेसरहा में हुई तैयारी बैठक

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) खेसरहा में शनिवार को आगामी 28 जून से शुरू होने वाले पल्स पोलियो अभियान की तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए सीएचसी अधीक्षक डॉ. संतोष कुमार गुप्ता ने अभियान से जुड़े सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान कोई भी पात्र बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित नहीं रहना चाहिए। सभी टीमों को पूरी जिम्मेदारी और सतर्कता के साथ कार्य करना होगा। बैठक में अभियान की रणनीति, बूथ व्यवस्था, घर–घर जाकर बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने तथा शत–प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने पर विशेष चर्चा की गई। इस अवसर पर बीपीएम अमरनाथ गुप्ता, बीसीपीएम विजय शंकर त्रिपाठी, सर्वेद्र पांडेय, पर्यवेक्षक, आशा, एएनएम एवं सीएचसी का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। सभी को अभियान को सफल बनाने के लिए समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए।

बहू–बेटी सम्मेलन में महिलाओं को किया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ पुलिस द्वारा मिशन शक्ति फेज–5.0 के द्वितीय चरण के अंतर्गत शुक्रवार को ग्राम सभा नीबी दोहनी में बहू–बेटी सम्मेलन एवं जनचौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं एवं बालिकाओं को उनकी सुरक्षा, अधिकारों तथा विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देकर जागरूक किया गया। प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस टीम ने महिलाओं को महिला सुरक्षा, आत्मनिर्भरता और कानून संबंधी अधिकारों की जानकारी दी। इस दौरान दहेज उत्पीड़न, पॉक्सो एक्ट, महिला उत्पीड़न से जुड़े मामलों में परामर्श देने के साथ ही मिशन शक्ति केंद्रों की उपयोगिता और वहां शिकायत

दर्ज कराने की प्रक्रिया भी बताई गई। महिलाओं को वूमेन पावर लाइन–1090, महिला हेल्पलाइन– 181, पुलिस हेल्पलाइन–112, साइबर हेल्पलाइन–1930, चाइल्ड हेल्पलाइन–1098, एम्बुलेंस–108, अग्निशमन–101, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन–1076 तथा एल्डर हेल्पलाइन–14567 सहित अन्य महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में नए कानूनों, बाल विवाह निषेध, लैंगिक समानता, महिला सुरक्षा एवं साइबर अपराधों से बचाव के संबंध में भी विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही यातायात नियमों का पालन करने के लिए भी प्रेरित किया गया। इस अवसर पर 37 महिलाएं एवं बालिकाएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में हेड कांस्टेबल अविनाश सिंह, महिला कांस्टेबल शोभा भारती, उर्मिला देवी, अंबिका एवं शिल्पी सहित पुलिस टीम मौजूद रही।

सम्पादकीय

उनकी दलील है कि इस शर्मनाक मामले की तह तक जाने के लिये एक पारदर्शी और समय–सीमा के भीतर होने वाली जांच बेहद जरूरी है। वहीं दूसरी ओर विपक्षी दल चंदे के रिकॉर्ड को सार्वजनिक करने और स्वतंत्र अॉडिट की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि लोगों के दान और धार्मिक आस्था से जुड़े मामले में कोई समझौता नहीं किया जाना चाहिए। निश्चित रूप से ...

चढ़ावे की चोरी के दोषी बख्शे न जाएं

अयोध्या में राम मंदिर में भक्तों द्वारा दिए दान और कीमती सामान की हेराफेरी की घटनाओं ने देश–विदेश के रामभक्तों को विचलित किया है। कभी आमजन में कहा जाता था कि 'भगवान से डर', लेकिन पैसे की हवस देखिए कि मंदिर प्रबंधन से जुड़े चंद लोगों ने भगवान के घर में चोरी करने में कोई डर महसूस नहीं किया। ये प्रबंधन व व्यवस्था की पारदर्शिता की खोट तो है ही, मानवीय मूल्यों के पतन की पराकाष्ठा भी है कि मंदिर में चढ़ावे की देखरेख को तैनात लोग ही चोरी–चकारी में लिप्त हो जाएं। इस मामले में विपक्ष के तीखे हमले और जनाक्रोश के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने मामले की जांच के लिए आनन–फानन में एसआईटी गठित की, रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंपी, प्राथमिकी दर्ज की और वीरवार को प्रबंधन से जुड़े आठ कर्मचारियों की गिरफ्तारी भी हो गई। लेकिन अपने आराध्य राम के चढ़ावे की चोरी से आहत भक्तों के जख्मों पर शायद तभी मरहम लगेगी, जब दोषियों को सख्त सजा दी जाएगी। निश्चित ही यह चोरी का प्रकरण भाजपा व संघ को परेशान करने वाला है। उस राजनीतिक दल के लिये, जिसके कभी दो सांसद हुआ करते थे और राम मंदिर की मुहिम से हासिल जनसमर्थन से केंद्र व तमाम राज्यों में उसकी सरकारें बनी हैं। खासकर, भाजपा के लिए यह मुद्दा परेशानी का सबब हो सकता है क्योंकि राम जन्म भूमि वाले प्रदेश में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। जिस मुद्दे को लेकर भाजपा राज्य की सत्ता में आती रही है, उस मुद्दे पर विपक्ष हमलावर होगा। निस्संदेह, इस प्रकरण से राम भक्तों की आस्था को गहरी चोट तो पहुंची है। सवाल राम मंदिर ट्रस्ट की नाकामी पर भी उठेंगे कि उसने समय रहते इस चोरी को क्यों नहीं पकड़ा। बेहतर होता कि दोषियों के खिलाफ ट्रस्ट की तरफ से स्वतरू प्राथमिकी दर्ज करके कार्रवाई की जाती। सवाल पूछा जा सकता है कि आखिर क्यों ट्रस्ट चंदे की रकम का हिसाब–किताब विश्वसनीय तरीके से नहीं रख पाया। निश्चय ही इस प्रकरण से श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की साख भी दांव पर लगी है। वह उन भक्तों की भावनाओं की रक्षा नहीं कर पाया, जिन्होंने मंदिर निर्माण से लेकर अब तक दिल खोलकर दान दिया। जब चंदा प्रबंधन से जुड़े लोगों के घर से लाखों की नकदी बरामद हुई और चोरी के पैसे से जमीन खरीदने के आरोप सामने आए तो भक्तों की आस्था पर आंच आना स्वाभाविक ही है। आरोप सिर्फ नकदी के हेरफेर के ही नहीं लगे बल्कि कीमती गहनों को खुर्दबुर्द करने के भी लगे। वहीं प्राण–प्रतिष्ठा समारोह के दौरान दान में मिली चांदी की छड़ों के गायब होने का भी आरोप है। बहरहाल, 2027 के यूपी विधानसभा चुनावों से कुछ महीने पहले सामने आए इस विवाद ने प्रदेश में राजनीतिक हलचल मचा दी है। विपक्ष जहां दोषियों पर समय रहते कार्रवाई न करने का आरोप लगा रहा है, वहीं भाजपा इन आरोपों को अयोध्या को बदनाम करने और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने की कोशिश बता रही है। वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने धैर्य रखने की अपील करते हुए कहा कि जिन भक्तों ने मंदिर निर्माण के लिए पांच सौ साल तक इंतजार किया, उन्हें एसआईटी जांच अंतिम निष्कर्ष तक पहुंचने का इंतजार करना चाहिए। उनकी दलील है कि इस शर्मनाक मामले की तह तक जाने के लिये एक पारदर्शी और समय–सीमा के भीतर होने वाली जांच बेहद जरूरी है। वहीं दूसरी ओर विपक्षी दल चंदे के रिकॉर्ड को सार्वजनिक करने और स्वतंत्र ऑडिट की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि लोगों के दान और धार्मिक आस्था से जुड़े मामले में कोई समझौता नहीं किया जाना चाहिए। निश्चित रूप से यह प्रकरण देश के बड़े धार्मिक संस्थानों में चंदे के प्रबंधन में पारदर्शिता व सतर्कता की मांग करता है। चंदे का नियमित ऑडिट किया जाना, तकनीक आधारित प्रबंधन, डिजिटल ट्रैकिंग और स्वतंत्र निगरानी वाले आधुनिक सिस्टम की जरूरत को दर्शाता है। निस्संदेह, राम मंदिर भारत व विदेशों में बसे करोड़ों श्रद्धालुओं की आकांक्षा का प्रतीक है। श्रद्धालुओं का भरोसा बनाये रखने के लिये हर आक्षेप की पारदर्शिता से जांच जरूरी है।

आग के राग और तपिश में भाग्य

झुग्गी–बस्तियों को भी आग कुछ इसी तरह से लगती थी कि झुग्गी–बस्ती की जमीन अनमोल हो गयी है, सो जगह खाली करवानी है और उसे सेठ के हवाले करना है क्योंकि सेठ को वहां मॉल बनवाना है। नहीं जी नहीं, हमरी झोपड़िया में कोनो आग नहीं लगी है। यह तो दिलीप कुमार साहब की एक पुरानी फिल्म–सगीना महतो–का गाना है बस, कि आग लगी हमरी झोपड़िया में हम गावैं मल्हार। वैसे मानसून के आने और मेंह बरसने से पहले का यह सीजन झोपड़ियों में आग लगने का ही सीजन होता है। यह अलग बात है कि दिल्ली से लेकर लखनऊ तक आजकल बहुमंजिला इमारतों में भी आग लग जाती है और जाने–माने रेस्तरांओं में भी। वरना पहले तो झुग्गी–बस्तियां ही जलती थीं। खैर, अब तो बुलडोजर चलने लगे हैं, सिर्फ झुग्गी–बस्तियों पर ही नहीं, अच्छी–खासी कॉलोनियों पर भी। अब सचमुच ही लगने लगा है कि झुग्गियों में आग लगना गुजरे जमाने की चीज हो गयी है। वरना पहले तो झुग्गियां क्या, गांव के गांव जल जाते थे। यहां तक कि खुद शासक ही गांव जला देते थे। फसलें जला देते थे। झुग्गी–बस्तियों को भी आग कुछ इसी तरह से लगती थी कि झुग्गी–बस्ती की जमीन अनमोल हो गयी है, सो जगह खाली करवानी है और उसे सेठ के हवाले करना है क्योंकि सेठ को वहां मॉल बनवाना है, सुपर बाजार बनवाना है, लग्जरी अपार्टमेंट्स और न जाने क्या–क्या बनाना है। खैर जी, तब तो झुग्गियों की तरह ही बड़े–बड़े दफ्तरों में भी आग लगती थी और फाइलें जल जाती थीं। फाइलें दबाई तो जाती हैं, रिश्वत वगैरह के लिए, लेकिन फाइलें जलायी जाती हैं घोटालों को छुपाने के लिए। झुग्गियों में आग लगने की तरह ही दफ्तरों की फाइलें जलना भी बड़ा उपयोगी उद्यम रहा है। सुना है इस बार तो उन्होंने खुल्लमखुल्ला, घोषित रूप से हजारों–हजार फाइलें नष्ट कर डालीं। वैसे ही जैसे उनका बुलडोजर खुल्लमखुल्ला चलता है। यह फाइलें सिर्फ इसलिए नष्ट कर दी गयीं क्योंकि वे बरसों से धूल खा रही थीं, जगह घेर रही थीं और किसी काम की न थीं। लेकिल झुग्गियों का जलना या फाइलों का जलना तो बेशक पुरानी बात हो गयी हो, आग का लगना और जलाना पुराना नहीं हुआ है। देख लो, अब बंगाल में ईवीएम मशीनों में आग लग गयी और हजारों–हजार मशीनें जल गयीं। ऐसे लगता है जैसे झुग्गियों को और फाइलों को किसी की नजर लग जाती थी और वे धू–धू करके जल जाती थीं, वैसे ही ईवीएम मशीनों को भी किसी की नजर ही लगी है। कोसने तो वे इतने दिन से सुन ही रही थी कि वे हैक हो रही हैं, उनसे छेड़छाड़ हो रही है वगैरह–वगैरह। लेकिन इतनी नजर लगने के बाद तो उन्हें जलना ही था। लेकिन झुग्गियां जलने से जैसे मॉल बनने का रास्ता साफ हो जाता था, वैसे ही ईवीएम जलने से कहीं तानाशाही का रास्ता साफ न हो जाए। डर तो डर है न साहब!

लद्दाख की अस्मिता को निगलती पर्यटन संस्कृति

इस पूरे संकट में वाहनों से निकलने वाला धुआं आग में घी का काम कर रहा है। पैंगोंग त्सो, नुब्रा वैली और अन्य संवेदनशील क्षेत्रों की यात्रा के लिए हर दिन सैकड़ों डीजल चालित एसयूवी, टैक्सियां और कमर्शियल गाड़ियां लेह की सड़कों से गुजरती हैं। इन जीवाश्म ईंधन से चलने वाले वाहनों के अनियंत्रित काफिलों के कारण लेह में न केवल ट्रैफिक जाम की समस्या पैदा हो रही है, बल्कि इनसे निकलने वाला काला ...

पर्यटन से होने वाली आमदनी का स्वागत है, लेकिन यह स्थानीय लोगों के जीवन की कीमत पर नहीं होना चाहिए। जब तक पर्यटक जिम्मेदार नहीं होंगे और प्रशासन कचरे, पानी, बिजली और वाहनों के धुएं के लिए एक एकीकृत मास्टर प्लान नहीं बनाएगा, तब तक इस नाजुक हिमालयी क्षेत्र को तबाही की तरफ बढ़ने से रोकना नामुमकिन होगा। लेह प्रशासन बड़े गर्व से बता रहा है कि पिछले साल की तुलना में इस बार लेह–लद्दाख में 44 फीसदी अधिक पर्यटक आए। हिमालय की गोद में बसा केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख पिछले कुछ सालों में एक बड़े वैश्विक पर्यटन स्थल के रूप में उभरा है। हर साल गर्मी का मौसम आते ही यहां सैलानियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ती है। पर्यटन ने प्रदेश की आमदनी में उल्लेखनीय इजाफा किया है। लेकिन इस आर्थिक समृद्धि के पीछे एक ऐसा स्याह सच भी छिपा है, जो लद्दाख की नाजुक पारिस्थितिकी के लिए किसी गंभीर खतरे से कम नहीं है। विडंबना यह है कि जिसे कभी 'शांग्री–ला' यानी पृथ्वी का स्वर्ग कहा जाता था, वह आज अनियंत्रित पर्यटन के कारण उपजे कचरे, पानी की किल्लत, बिजली के संकट और वाहनों के धुएं से हांफ रहा है। लेह–लद्दाख में लगभग 670 होटल बन गए हैं और इनमें से 60 फीसदी लेह शहर में हैं। चूंकि अधिकांश पर्यटक सबसे पहले लेह ही आते हैं और उन्हें कम से कम दो दिन वहीं रुकने की सलाह दी जाती है ताकि उनका शरीर वहां के परिवेश के अनुरूप खुद को ढाल सके, सो लेह पर वहां की मूल आबादी से तीन गुना बाहर से आए लोगों का बोझ सदा बना रहता है, जिनमें 50 हजार तो प्रवासी मजदूर ही हैं। जान लें इस इलाके में कहीं हरियाली दिखती नहीं। यह बर्फीला रेगिस्तान है। समुद्र तल से कोई 11 हजार फुट ऊपर बसे लेह में यहां सालाना बारिश मात्र 10 सेंटीमीटर होती है। लेह शहर में सिंधु नदी से पानी की आपूर्ति होती है लेकिन इतने सारे होटल बोरवेल पर निर्भर हैं। लद्दाख इस समय अपने इतिहास के सबसे गंभीर जल संकट से गुजर रहा है। शीत मरुस्थल होने के कारण लद्दाख हमेशा से पानी के लिए ग्लेशियरों के पिघलने और सीमित बर्फबारी पर निर्भर रहा है। पारंपरिक रूप से लद्दाख के लोग शुष्क शौचालयों का उपयोग करते थे, जिसमें पानी की आवश्यकता नहीं होती थी। लेकिन पर्यटकों की आधुनिक सुविधाओं और होटलों की मांग के कारण पारंपरिक व्यवस्था की जगह 'फ्लश टॉयलेट' ने ले ली है। एक स्थानीय लद्दाखी जहां गर्मियों में औसतन 21 लीटर पानी का उपयोग करता है, वहीं एक पर्यटक प्रतिदिन करीब 75 लीटर पानी सोख लेता है। लेह में होटलों और गेस्ट हाउसों की संख्या तेजी से बढ़ी है, जिन्होंने पानी की भारी मांग को पूरा करने के लिए अंधाधुंध कमर्शियल बोरवेल खोद डाले हैं। इसका नतीजा यह हुआ है कि लेह का भूजल स्तर खतरनाक रूप से नीचे जा रहा है और प्रशासन को पानी की राशनिंग करने के साथ–साथ टैंकरों के जरिए जलापूर्ति करनी पड़ रही है। जलवायु परिवर्तन के कारण कम होती बर्फबारी और पर्यटन के अत्यधिक दबाव ने पानी की इस कमी को जीवन–मरण का प्रश्न बना दिया है। दरअसल, पर्यटन बढ़ने से हिमालय के पहाड़ों पर कचरे का संकट बढ़ता है। हालांकि अभी लेह प्रशासन ने समूचे इलाके में सिंगल यूज प्लास्टिक पर पाबंदी के आदेश जारी किये हैं लेकिन अभी उसका कोई जमीनी असर दिख नहीं रहा। टूरिस्ट सीजन में लेह पर करीब 247 टन कचरे का अतिरिक्त बोझ बढ़ जाता है। म्युनिसिपल कमेटी के अनुसार सर्दियों में कचरे की मात्रा गर्मियों की तुलना में सिर्फ 25 प्रतिशत ही रह जाती है। यह समस्या तब और विकराल हो जाती है जब लद्दाख की भौगोलिक ऊंचाई और कड़ाके की ठंड इसमें अड़चनें पैदा करती हैं। यद्यपि साल 2020 में स्कम्पारी में सौर ऊर्जा से संचालित 30 टन क्षमता का वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट लगाया गया है, लेकिन शून्य डिग्री सेल्सियस से नीचे के तापमान में गीला कचरा पूरी तरह जम जाता है। अत्यधिक ठंड और ऊंचाई के कारण मजदूरों की कार्यक्षमता बुरी तरह प्रभावित होती है, जिससे कचरे की प्रोसेसिंग में देरी होने लगती है। सबसे खराब स्थिति सर्दियों में भारी बर्फबारी के दौरान होती है, जब कचरा इकट्ठा करने वाले ट्रकों की आवाजाही ठप हो जाती है। एक तरफ बढ़ते पर्यटक हैं और फिर उनकी सुविधाओं के लिए बिजली की मांग बढ़ती है वहीं लद्दाख के पास अपनी सीमित पनबिजली और सौर ऊर्जा प्रणालियां हैं, जो इस अचानक बढ़ी मांग को पूरा करने में हांफने लगती हैं। गर्मियों में जब होटलों, रेस्टोरेंट्स और होमस्टे में पर्यटकों की भीड़ होती है, तब बिजली की मांग अपनी चरम सीमा पर पहुंच जाती है। पीक सीजन में इस कमी को पूरा करने के लिए बड़े पैमाने पर डीजल जेनरेटरों का सहारा लिया जाता है। ये जेनरेटर न केवल भारी मात्रा में ईंधन की खपत करते हैं, बल्कि लद्दाख की शांत और स्वच्छ हवा में लगातार कार्बन और कानफोडू शोर घोलते रहते हैं। बिजली के इस अस्थायी और प्रदूषणकारी विकल्प ने शांत वादियों के पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंचाया है।

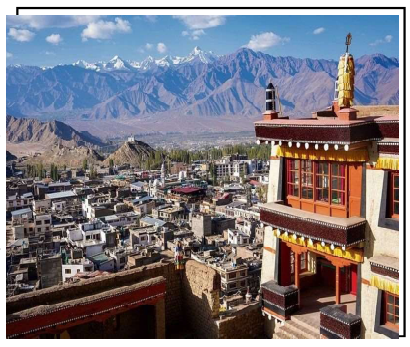

{ स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद जब देश में कांग्रेस पार्टी की सरकार बनी तो संसद में विपक्ष की स्थिति बहुत कमजोर थी। कांग्रेस को 489 में से 364 सीटें प्राप्त हुई थीं। विपक्ष को मिली कुल 125 सीटों में सबसे बड़ा दल भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी थी, जिसे मात्र 16 सीटें मिली थीं। भारतीय जन संघ के हिस्से में सिर्फ तीन सीटें आयी थीं। तब देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने अपनी पार्टी के सांसदों से कहा था... }

राजनीति का बदरंग चेहरा दिखाता दल–बदल

दलबदल से बचने के लिए जरूरी है कि दल–बदल कानून को मजबूत बनाया जाये। पहली जरूरत तो यह है कि दल–बदल करने वालों को सदन की सदस्यता से इस्तीफा देने की शर्त हो। निर्वाचित सदस्यों के दल–बदल का मतलब मतदाताओं को धोखा देना ही है। नैतिकता का तकाजा है कि वे दल बदलना चाहते हैं तो पद से त्यागपत्र दें। महाराष्ट्र की उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना फिर टूट गई है। पहले चालीस विधायकों ने बगावत की थी और अब उद्धव के छह सांसद पाला बदलकर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गये हैं। एक को छोड़कर बाकी पांच ने यह कदम उठाने का कारण बताते हुए मूल शिवसेना की नीति–रीति का हवाला दिया है। उनका कहना है कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने बालासाहेब ठाकरे के सिद्धांतों को तिलांजलि देते हुए कांग्रेस का साथ दिया है, जो उन्हें स्वीकार्य नहीं है। उनसे पूछा जाना चाहिए जब शिंदे के नेतृत्व में विधायकों ने उद्धव का दामन छोड़ा था, तब भी तो यही स्थिति थी। तब उन्होंने शिंदे का साथ क्यों नहीं दिया? अब भाजपा में जाने वाले इन सांसदों ने अपने इस कदम उठाने का कोई ठोस कारण नहीं बताया। हां, उद्धव ठाकरे के साथ खड़े बचे–खुचे 'शिवसैनिकों' ने यह आरोप अवश्य लगाया है कि भाजपा ने उन्हें 15 करोड़ से लेकर 50 करोड़ रुपये तक की 'रिश्वत' देकर शिवसेना को तोड़ा है। यह पहली बार नहीं है जब दल–बदलू राजनीति का बदरंग चेहरा सामने आया है। देश में 'आयारामों –गयारामों' की एक लंबी सूची है। दल–बदलुओं की यह कथा लगभग छह दशक पहले शुरू हुई थी। कहानी अब भी जारी है। तब भी दल–बदल के पीछे कारण कोई सिद्धांत या नीति नहीं थी और अब भी दिखाई यही दे रहा है कि राजनीतिक और आर्थिक लाभ ही इस जनतंत्र–विरोधी कार्रवाई का मूल कारण है। हमारे संविधान–निर्माताओं ने शायद ही कभी सोचा होगा कि हमारे राजनेता इस स्तर तक जायेंगे, पर आज यह स्थिति एक खुली किताब की तरह सामने है। न दल बदलने वालों को शर्म आती है और न दल बदल करवाने वालों को। हां, पिछले लगभग एक दशक से देश की राजनीति में एक नया अध्याय शुरू हुआ हैदृ मूल्यों– सिद्धांतों को ताक में रखकर किसी भी कीमत पर राजनीतिक लाभ उठाने वाला अध्याय। भारतीय जनता पार्टी ने एक अभियान चलाया था– कांग्रेस मुक्त भारत अभियान। सत्ता में आने के साथ ही भाजपा ने अपने इस सपने को पूरा करने की कवायद शुरू कर दी थी। और उसे कुछ सफलता भी मिलने लगी थी। पार्टी का हौसला बढ़ गया। इस हौसले के सामने सही–गलत कोई माने नहीं रखता था। वैसे भी राजनीति में नैतिकता के लिए कोई जगह नहीं होती, पर राजनीति के इस नये दौर में सब कुछ जायज था। इस रीति–नीति के परिणामस्वरूप 'वाशिंग मशीन' वाली राजनीति ने रंग दिखाना शुरू किया। राजनेताओं पर आरोप लगने या अपराध स्पष्ट हो जाने का कोई अर्थ नहीं रह गया था। जो हमारे साथ है वह सही है वाली यह राजनीति किसी भी कीमत पर अपने उद्देश्य को पूरा करने में विश्वास करती है। सत्ता पाना और सत्ता पर बने रहना ही जैसे राजनीति का एकमात्र उद्देश्य हो! खतरनाक है यह स्थिति और सबसे बड़ा खतरा जनतांत्रिक मूल्यों और आदर्शों पर है। देश की राजनीति का जो अध्याय आज लिखा जा रहा है, वह सिर्फ सत्ता हथियाने की या सत्ता में बने रहने के प्रयासों की कहानी ही नहीं है, खतरे में हमारा लोकतंत्र है। यह अध्याय 'कांग्रेस मुक्त भारत' के नारे से शुरू हुआ था, अब वह 'विपक्ष मुक्त भारत' की ओर बढ़ता दिखाई दे रहा है। जिस तरह आज छोटे और क्षेत्रीय दलों को तोड़ा जा रहा है, वह जनतंत्र के लिए खतरे की घंटी है। अंग्रेजी में एक कहावत है 'लाउड एंड क्लियर' यानी पूरी तरह स्पष्ट। इसे अनदेखा या अनसुना करना जनतंत्र के प्रति अपने दायित्व से मुंह चुराना ही है। मजबूत विपक्ष जनतंत्र के औचित्य और सफलता की एक महत्वपूर्ण शर्त है। मजबूत सरकार की तरह ही एक सुदृढ़ विपक्ष भी चाहिए होता है। कमजोर विपक्ष का मतलब होता है एक ऐसी सरकार को अवसर और छूट देना जो कभी भी तानाशाही का रास्ता अपना सकती है। आप चाहें तो इसे निर्वाचित तानाशाही कह सकते हैं। इस खतरे से बचने के लिए जागरूक मतदाता की आवश्यकता है जो जनतंत्र की सफलता में मजबूत विपक्ष की महत्ता और आवश्यकता को समझे और ऐसी किसी भी कार्रवाई के प्रति सजग रहे जो जनतंत्र को कमजोर बनाती है। आज जिस तरह छोटे राजनीतिक दलों को तोड़ा जा रहा है, उन्हें अप्रासंगिक बनाने का प्रयास हो रहा है, उससे हमारा जनतंत्र कमजोर ही होगा। हाल ही के दिनों में हुई दल–बदल की घटनाएं इस बात का स्पष्ट संकेत हैं कि अजनतांत्रिक ताकतें लगातार सक्रिय हो रही हैं। कुछ अर्सा पहले हमने पंजाब के आम आदमी पार्टी के सांसदों को दल–बदल करके भाजपा की शरण में जाते देखा था। फिर हमने देखा कि बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की पराजय के बाद उसके विधायकों और सांसदों ने दल–बदल करना जरूरी समझ लिया। नवीनतम उदाहरण महाराष्ट्र में टूटी हुई उद्धव ठाकरे की पार्टी को और तोड़ने का है। जैसी स्थितियां बन रही हैं, उनसे इस आशय के संकेत भी मिल रहे हैं कि टूटने–बिखरने का खतरा शरद पवार की एनसीपी को भी मिल सकता है। उत्तर प्रदेश के राज्य मंत्री इस आशय के संकेत दे रहे हैं कि अखिलेश यादव की सोशलिस्ट पार्टी पर भी डोरे डाले जा रहे हैं। बिहार में नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू की ताकत भी घटा दी गयी है और लालू प्रसाद यादव की पार्टी पर खतरे के बादल मंडरा रहे हैं। यह सब घटनाएं बताती हैं कि किस तरह देश में विपक्ष को कमजोर बनाने की कोशिशें हो रही हैं। विपक्ष के कमजोर होने का मतलब जनतंत्र का कमजोर होना है और जनतंत्र कमजोर होता है तो तानाशाही प्रवृत्तियों को सिर उठाने का अवसर मिल जाता है। देश में केंद्र में मजबूत सरकार हो, यह एक अच्छी स्थिति है।

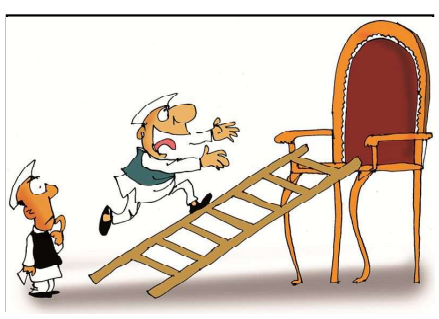

स्वागत नहीं करोगे आप हमारा! अचानक भारत के दौरे पर आ रहे ट्रंप, होने वाली है अब तक की सबसे बड़ी महाडील ?

क्या भारत और अमेरिका के बीच अब तक की सबसे बड़ी महा डील होने वाली है? क्या दुनिया के दो सबसे शक्तिशाली नेता वैश्विक अर्थव्यवस्था का नया नक्शा बदलने जा रहे हैं? जी हां, वाशिंगटन से जो खबर सामने आ रही है वो सिर्फ एक ट्रेंड नहीं है बल्कि एक कूटनीतिक तूफान है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने साफ कर दिया कि डोनाल्ड ट्रंप अगले साल की शुरुआत में भारत आ रहे हैं। लेकिन यह कोई साधारण यात्रा नहीं है। यह यात्रा है उस शानदार केमिस्ट्री की जिसे दुनिया ने हाउडी मोदी और नमस्ते ट्रंप में देखा था। आज भारत का दबदबा ऐसा है कि ट्रंप अपनी सभी प्राथमिकताओं में भारत को सबसे ऊपर रखते हैं। दरअसल अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने वह बात कही जिससे चीन से लेकर पाकिस्तान, पाकिस्तान से लेकर दुनिया के दूसरे देशों तक सन्नाटा छा गया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप और पीएम मोदी के बीच इससे बेहतर नहीं हो सकते।

रूबियों ने पुष्टि की कि तैयारियां जोरों पर है ताकि अगले साल की शुरुआत में ट्रंप भारत की धरती पर कदम रखें। यहां समझने वाली बात यह है कि ट्रंप की नजर में भारत सिर्फ एक बाजार नहीं बल्कि एक अनिवार्य सहयोगी है। आई थिंक ग्रेट मीटिंग प्राइम मिनिस्टर जी7 प्रेसिडेंशियल विजिट पार्ट्स नेक्स्ट रूबियों ने स्पष्ट किया कि कूटनीति में व्यक्तिगत संबंध बहुत मायने रखते हैं और मोदी ट्रंप की जोड़ी इस मामले में वर्ल्ड लीडर है। यह दौरा फरवरी 2020 के उस ऐतिहासिक यात्रा की याद दिलाएगा जिसने भारत को ग्लोबल स्टेज पर एक नई पहचान दी थी। अब बात करते हैं उस डील की जिसका जिक्र रूबियो ने किया। रूबियो के अनुसार भारत और अमेरिका एक बड़े द्विपक्षी व्यापार समझौते यानी कि ट्रेड डील को अंतिम रूप देने के बिल्कुल करीब हैं। सोचिए अगर यह डील हो जाती है तो भारतीय उत्पादों के लिए अमेरिका के दरवाजे और चौड़े हो जाएंगे। सरकारीएजेंसियां

ट्रंप हमेशा अमेरिका फर्स्ट की बात करते हैं। लेकिन उन्हें पता है कि अमेरिका के विकास के लिए भारत के साथ व्यापारिक संतुलन बनाना कितना जरूरी है। ळ7 शिखर सम्मेलन में जब मोदी और ट्रंप मिले थे, डील की नींव रख दी गई अब ट्रंप का भारत आना इस बात पर मुहर लगाएगा कि भारत अब वैश्विक सप्लाई चेन का नया केंद्र है। इतना ही नहीं रूबियों ने आगे एक ऐसी बात कही जो भारत के हर नागरिक को गर्व से भर देगी। उन्होंने कहा कि भारत उन चुनिंदा देशों में शामिल है जिनके पास हैवी क्रूड यानी भारी कच्चे तेल को रिफाइन करने की विश्वस्तरीय क्षमता है। यह सिर्फ तेल की बात नहीं है। यह ऊर्जा कूटनीति यानी कि एनर्जी डिप्लोमेसी है। अमेरिका चाहता है कि ऊर्जा की रूस और ओपेक देशों का एकाधिकार खत्म हो और इसमें भारत की रिफाइनिंग क्षमता सबसे बड़ा हथियार है। भारत और अमेरिका मिलकर ऊर्जा आपूर्ति बढ़ाने पर काम कर रहे हैं। यानी आने वाले समय में भारत दुनिया का एनर्जी हब बनने जा रहा है और ट्रंप इस साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाना चाहते हैं।

ट्रेंड है भारत की शक्ति को स्वीकार करना। रूबियों ने जिस तरह से भारत को अमेरिका का बहुत करीबी पार्टनर बताया वो दिखाता है कि दक्षिण एशिया में भारत के बिना अमेरिका का कोई भी प्लान सफल नहीं हो सकता है।

चाहे वो चीन के विस्तारवाद को रोकना हो या इंडोपेसिफिक क्षेत्र में शांति बनाए रखना। मोदी ट्रंप की केमिस्ट्री ही इसका समाधान है। ट्रंप जानते हैं कि पीएम मोदी एक ऐसे नेता हैं जो अपनी शर्तों पर दोस्ती निभाते हैं। इसलिए रूबियो खुद इस साल के अंत से पहले भारत आकर ट्रंप की यात्रा को जमीन ट्रंप की यात्रा की जमीन तैयार करेंगे। खैर दोस्तों, यह समझना जरूरी है कि भारत अब वो देश नहीं जो समझौतों पर गुहार लगाता था। आज भारत वो देश है जिसके पास आकर दुनिया की महाशक्तियां समझौते करती हैं। मार्को रूबियो के बयान ने साफ कर दिया कि ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में भारत की भूमिका किंग मेकर की होगी। ऊर्जा से लेकर व्यापार और अंतरिक्ष से लेकर रक्षा तक और अंतरिक्ष से लेकर रक्षा तक मोदी और ट्रंप की यह जोड़ी एक नया इतिहास लिखने जा रही है।

इजराइल के खिलाफ शुरू हो गई बड़ी लामबंदी, ईरान के पाले में खड़ा हो गया कतर!

ईरान ने 40 दिनों की जंग और कुर्बानियों के बाद वो हासिल किया है जो अब उसकी बादशाहत को लंबे वक्त तक बनाए रखेगा। इतना ही नहीं अरब देशों को किसी ना किसी तौर पर फारस पर डिपेंड होना पड़ेगा। फारस से संपर्क करना, रिश्ता कायम करना पड़ेगा। और तो और इजराइल के हाथ बांधने और उसे खौफजदा रखने का पूरा इंतजाम भी इस बार होने जा रहा है। सऊदी, पाकिस्तान तो साथ आ गए हैं। ईरान इशारे दे रहा है कि तुर्की, मिस्र, कतर ये सब मिलकर इतना मजबूत अलायंस बना सकते हैं कि पिछली बार की तरह इजराइल की कतर पर अटैक की हिम्मत ही ना पड़े। या लेबनान की तरफ देखने से पहले वो 10 बार सोचे। गौरतलब है कि इजराइल ने कतर में मौजूद हमास की पॉलिटिकल लीडरशिप को निशाना बनाने के लिए सीधा हमला कर दिया था। लेकिन अब प्रेसिडेंट के इशारे के बाद एक और अमीर मुस्लिम अरब देश कतर ने भी एक कदम आगे बढ़ाया है। दरअसल कतर के प्राइम मिनिस्टर ने कहा है कि ईरान को शामिल करके फारस की खाड़ी का पूरा इलाका एक नया सिक्योरिटी सिस्टम बनाने पर विचार कर रहा है। यानी इसमें अरब का पूरा रीजन भी शामिल है। बस इसमें यूएई, कुवैत और बहरीन नहीं होंगे। बाकी सब होंगे। यानी कतर सीधे ईरान के साथ एक सिक्योरिटी अलायंस बनाने की बात कर रहा है। ओमान, ईरान, तुर्की, मिस्र होंगे। मजबूत देश ईरान के साथ सिक्योरिटी अरेंजमेंट पर ये लोग अब सोचने लगे हैं। या यूं कहें कि काम भी शुरू कर दिया है। एक्सपर्ट कहते हैं कि अरब देशों ने अमेरिका का सिक्योरिटी सिस्टम फेल होते अपनी आंखों से देख लिया है और उन्हें अच्छी खासी

नसीहत लग गई है। उन्होंने देख लिया है कि ईरान की मिसाइल और ड्रोन कितने मजबूत थे। अरब देशों के कई शहरों को नुकसान पहुंचा और अमेरिका का डिफेंस सिस्टम देखता रह गया। इतना ही नहीं ईरान ने स्टेट ऑफ होर्मुज को भी ऐसे बंद करवा दिया था कि अमेरिका भी नहीं खुलवा पाया था। इसलिए अब उस रीजन के देश चाहते हैं कि एक पैरेलल सिस्टम बनाना पड़ेगा ईरान के ही साथ जिसे उन्होंने था, ना खरीद पाता था। अब वह दोनों चीजें कर पाएगा। पड़ोसी देशों के साथ एक सिक्योरिटी एलायंस में आएगा। जानकार यह भी कहते हैं कि मिडिल ईस्ट का यह सिक्योरिटी एलायंस अगर बन गया तो इजरायल को बहुत भारी पड़ने वाला है। वैसे भी अमेरिका के बिना इजरायल एकदम तन्हा हो जाता है। कोई उसे पूछता नहीं है। अब देखना होगा कि ईरान और अरब देशों का यह गठबंधन कितनी जल्दी अपना स्वरूप ले पाता है। क्या ईरान फिर से स्टेट ऑफ होर्मुज पर अपना दबदबा दिखाने लगा है? क्या एक बार फिर दुनिया के सबसे अहम समुद्री रास्ते पर तनाव बढ़ने वाला है? दरअसल होर्मुज के पास एक कंटेनर जहाज पर ड्रोन हमला हुआ है। अमेरिकी मीडिया का दावा है कि इस हमले के पीछे ईरान का हाथ है। हमले के बाद ईरान ने जहाजों के लिए नई चेतावनी जारी कर दी है। जबकि संयुक्त राष्ट्र ने फंसे हुए नाविकों को निकालने का अभियान फिलहाल रोक दिया है। दुनिया के सबसे व्यस्त तेल व्यापार मार्गों में से एक स्टेट ऑफ होर्मुज सुर्खियों में है। द न्यूयॉर्क टाइम्स और अमेरिकी मीडिया के रिपोर्ट के मुताबिक ओमान के तट के पास एक कंटेनर जहाज पर ड्रोन हमला किया गया। दावा किया गया कि इस हमले के पीछे ईरान का हाथ है। हालांकि ईरान ने अब तक इस पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। तुरंत बाद ईरान की समुद्री एजेंसी पर्शियन गल्फ स्ट्रीट अथॉरिटी ने चेतावनी जारी करते हुए कहा कि जो जहाज उनके तय किए गए समुद्री नियमों का पालन नहीं करेंगे, उनकी सुरक्षित यात्रा की कोई गारंटी नहीं होगी। यानी ईरान ने संकेत दिया है कि होर्मुज में उसकी निगरानी और नियंत्रण जारी रहेगा। के बाद संयुक्त राष्ट्र की समुद्री संस्था इंटरनेशनल मैरिटाइम ख्संगीत, ऑर्गेनाइजेशन आईएमओ ने बड़ा फैसला लिया है। युद्ध के कारण फंसे हुए करीब 600 जहाजों और उनके क्रू को निकालने का अभियान फिलहाल रोक दिया गया है। आईएमओ के महासचिव आर्सेनियो डोमिंगेज ने कहा कि मौजूदा सुरक्षा हालात को देखते हुए पहले पूरी समीक्षा की जाएगी। ही आगे का फैसला लिया जाएगा।

पाकिस्तान फिर बेनकाब! शोएब अख्तर के भाई के अंतिम संस्कार में एलईटी आतंकियों का जमावड़ा, हाफिज का बेटा भी मौजूद

पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शोएब अख्तर शुक्रवार को एक विवाद में फंस गए, जब लश्कर–ए–तैयबा से जुड़े कथित आतंकवादियों ने इस्लामाबाद में उनके बड़े भाई शाहिद अख्तर के अंतिम संस्कार में हिस्सा लिया। वीडियो में लश्कर के कई

आतंकवादी अंतिम संस्कार में शामिल होते दिखे। सूत्रों का कहना है कि यह वीडियो लश्कर या पाकिस्तान मरकजी मुस्लिम लीग ने जारी किया था, जो प्रतिबंधित जमात–उद–दावा का ही एक हिस्सा है। अंतिम संस्कार में शामिल लोगों की पहचान च्डडस् के इस्लामाबाद प्रमुख इनाम–उर–रहमान कंबोह और उसके सदस्यों अब्दुल्ला तूर, हाफिज उमर और अमजद भट्टी के तौर पर की गई। लश्कर के संस्थापक हाफिज सईद के बेटे और **PMML** के सदस्य तलहा सईद को भी अंतिम संस्कार में शामिल होते देखा गया। इस घटना ने एक बार फिर पाकिस्तान की असलियत सबके सामने ला दी है और यह साबित कर दिया है कि इस्लामाबाद क्यों आतंकवादियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह बना हुआ है। गौरतलब है कि हाल के समय में यह दूसरी बार है जब तलहा को किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में देखा गया है। इससे पहले अप्रैल में, वह प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के विशेष सहायक राणा सनाउल्लाह के साथ एक ही मंच पर मौजूद थे और दोनों ने काफी देर तक आपस में बातचीत भी की थी। भारत ने बार–बार इस बात पर चिंता जताई है कि पाकिस्तान आतंकवादियों को मदद और छिपने की जगह देता है। साथ ही, भारत ने संयुक्त राष्ट्र समेत दुनिया भर की संस्थाओं से इस्लामाबाद के खिलाफ कार्रवाई करने की अपील भी की है। मार्च में अमेरिका की एक रिपोर्ट में भी इस बात को दोहराया गया था कि पाकिस्तान आतंकवादियों, खासकर भारत को निशाना बनाने वाले आतंकवादियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह बना हुआ है। 25 मार्च को जारी यह रिपोर्ट कांग्रेसनल रिसर्च सर्विसश

महिला टी20 विश्व कप : सेमीफाइनल में जगह बनाने को भारत को हर हाल में दिखाना होगा दम

मध्यक्रम के बल्लेबाजों के नहीं चल पाने और खराब क्षेत्ररक्षण के कारण अब तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाने वाली भारतीय टीम को अगर महिला टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बनानी है तो उसे ऑस्ट्रेलिया की मजबूत टीम के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले ग्रुप ए के अपने अंतिम मैच में खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। भारतीय टीम के लिए यह मैच करो या मरो जैसा है। इस ग्रुप के अंतिम दो मैच से सेमीफाइनल में पहुंचने वाली टीमों का निर्धारण होगा। इन मैच में दक्षिण अफ्रीका (छह अंक) लॉर्ड्स में बांग्लादेश (चार) से भिड़ेगा, जिसके बाद भारत (छह) का सामना अपराजित ऑस्ट्रेलिया (आठ) से होगा। दक्षिण अफ्रीका के बांग्लादेश के खिलाफ शानदार रिकॉर्ड (12 मैचों में 9–2) को देखते हुए भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाला मुकाबला क्वार्टर फाइनल जैसा होने की उम्मीद है। अगर पिछली बार फाइनल में पहुंचने वाली दक्षिण अफ्रीका की टीम उम्मीद के मुताबिक जीत जाती है, तो भारत को क्वालीफाई करने के लिए ऑस्ट्रेलिया को हराना होगा। ऐसी स्थिति में इस मैच में हार से मौजूदा वनडे विश्व चौंपियन की उम्मीदें खत्म हो जाएंगी। दूसरी तरफ ऑस्ट्रेलिया आठ अंकों और 4.724 के बेहतर नेट रन रेट की बदौलत हार के बावजूद भी आगे बढ़ सकता है। बांग्लादेश अगर दक्षिण अफ्रीका को हरा देता है तो भारत पर से दबाव कम हो जाएगा क्योंकि हार के बावजूद भी

हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम अंतिम चार में जगह बना सकती है अगर उसका नेट रन रेट 2.268 दक्षिण अफ्रीका के मौजूदा 0.734 से बेहतर बना रहता है। इस मैच में भारतीय टीम के जज्बे की परीक्षा भी होगी जो अभी तक प्रत्येक विभाग में कुछ ना कुछ समस्याओं से जूझ रही है। भारत टूर्नामेंट के शुरू में सलामी बल्लेबाजों की खराब फॉर्म को लेकर चिंता में था। स्मृति मंधाना (167 रन) और शेफाली वर्मा (145) की सलामी जोड़ी ने अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन भारतीय मध्यक्रम नहीं चल पाया जिसमें कप्तान हरमनप्रीत (85) और जेमिमा रोड्रिग्स (58) जैसी खिलाड़ी शामिल हैं। भारत के लिए एक और बड़ी चिंता खराब क्षेत्ररक्षण है। पिछले दो मैच में उसके खिलाड़ियों ने छह कैच छोड़े हैं। इनमें से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कैच छोड़ना उसे महंगा पड़ा क्योंकि टीम इस मैच में हार गई थी। मुख्य कोच अमोल मजूमदार और कप्तान हरमनप्रीत इस बात को अच्छी तरह से समझते हैं कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इस तरह की गलती उसे भारी पड़ सकती है। राधा यादव को बेहतरीन क्षेत्ररक्षक माना जाता है लेकिन उन्होंने तीन कैच छोड़े हैं। इनमें से दो कैच उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टपकाए थे। भारत को वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया पर मिली जीत से निश्चित रूप से प्रेरणा मिलेगी, जिसमें जेमिमा की शानदार पारी ने उसे अंतिम बाधा को पार करने और अपने पहले वैश्विक खिताब की जीत की राह पर अग्रसर करने में मदद की। गेंदबाजी विभाग में श्री चरणी शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने अब तक चार मैचों में 12 विकेट लिए हैं। लेकिन उन्हें अन्य गेंदबाजों का अपेक्षित सहयोग नहीं मिल पा रहा है। ऑस्ट्रेलिया को अपने कौशल पर पूरा भरोसा होगा और भारत के खिलाफ मैदान में उतरते समय उनकी नजर सेमीफाइनल पर होगी। इस मुकाबले में फीबी लिचफील्ड की वापसी से ऑस्ट्रेलिया को मजबूती मिली है जिन्हें विशेष रूप से भारत के खिलाफ बल्लेबाजी करने में आनंद आता है। वह पिंडली की चोट के कारण इस विश्व कप में तीन मैच नहीं खेल पाई थीं। टीम इस प्रकार है भारतः हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप–कप्तान), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), ऋचा घोष (विकेटकीपर), जेमिमा रोड्रिग्स, भारती फुलमाली, शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, क्रांति गौड़, रेणुका सिंह ठाकुर, प्रेमा रावत, अरुंधति रेड्डी, नंदनी शर्मा, श्री चरणी, राधा यादव। दक्षिण –एशियाईऔर प्रवासी ऑस्ट्रेलियाः सोफी मोलिनी (कप्तान), फीबी लिचफील्ड, बेथ मूनी (विकेटकीपर), जॉर्जिया वोल, ताहलिया मैकग्रा (उप–कप्तान), एशले गार्डनर, किम गार्थ, लूसी हैमिल्टन, ग्रेस हैरिस, अलाना किंग, एलिसे पेरी, एनाबेल सदरलैंड, निकोला कैरी, मेगन शट, जॉर्जिया वेयरहैम। मैच भारतीय समयानुसार शाम 7:00 बजे शुरू होगा।

फीफा वर्ड कप में केप वर्दे का बड़ा उलटफेर, नॉकआउट में पहुंचकर रचा इतिहास

केप वर्दे ने अपना स्वप्निल अभियान जारी रखते हुए शुक्रवार को यहां सऊदी अरब के खिलाफ गोलरहित ड्रॉ खेला और इस तरह से विश्व कप फुटबॉल के नॉकआउट राउंड में पहुंचने वाला सबसे छोटा देश बन गया। केप वर्दे ने ग्रुप एच में अपने तीनों मैच ड्रॉ कराए जिससे वह स्पेन के बाद दूसरे स्थान पर रहकर आगे बढ़ने में सफल रहा। इस ग्रुप में उरुग्वे और सऊदी अरब दो–दो अंक ही हासिल कर पाए और वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए। अफ्रीका के पश्चिमी तट पर स्थित छोटा द्वीपीय राष्ट्र केप वर्दे फुटबॉल के सबसे बड़े मंच पर पहली बार खेल रहा है। उसने अपने पहले मैच में 2010 के चौंपियन स्पेन को

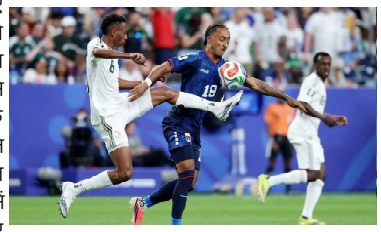

गोलरहित ड्रॉ पर रोका था और फिर उरुग्वे के खिलाफ पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए मैच 2–2 से बराबर किया था। केप वर्दे के लिए यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। वह 'राउंड ऑफ 32' में तीन जुलाई को मियामी में मौजूदा चौंपियन अर्जेंटीना का सामना करेगा। विश्व कप में तीनों ग्रुप मैचों में ड्रॉ होने से अगले दौर में पहुंचने की गारंटी नहीं मिलती। लेकिन अतीत में कई टीमों ने ऐसा किया है, जिनमें 1958 में वेल्स, 1990 में आयरलैंड और नीदरलैंड तथा 1998 में चिली शामिल हैं। न्यूजीलैंड ने भी 2010 विश्व कप में तीनों मैच ड्रॉ खेले थे लेकिन वह टूर्नामेंट से बाहर हो गया था। केप वर्दे के कोच बुबिस्ता ने मैच की पूर्व संध्या पर कहा था, ''हर किसी को सपने देखने का अधिकार है और कुछ भी असंभव नहीं है।'' ब्लू शार्क्स (केप वर्दे का उपनाम) ने उन्हें सही साबित कर दिया। इस 5,00,000 से कुछ अधिक आबादी वाले देश ने कुछ असंभव बाधाओं को पार करते हुए राउंड ऑफ 32 में जगह बनाई। एक महिला, जिसके चेहरे पर द्वीपसमूह का झंडा बना हुआ था, ने एक तख्ती पकड़ी हुई थी जिस पर लिखा था, ''छोटे द्वीप, बड़े सपने।'' केप वर्दे ने यह कारनामा 40 वर्षीय गोलकीपर वोजिन्हा के फिर से शानदार खेल की बदौलत किया, जिनके टूर्नामेंट में सफलता से इंस्टाग्राम पर एक करोड़ 60 लाख से अधिक फॉलोअर्स हो गए हैं। पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम में उन्होंने मोहम्मद कन्नो के हेडर को रोककर सऊदी अरब को बढ़त हासिल नहीं करने दी। इसके बाद 66वें मिनट में उन्होंने मोहम्मद अबू अल–शमत के शॉट को भी शानदार तरीके से रोका। उन्होंने दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में अब्दुल्ला अल–हमदान के शॉट को भी गोल में जाने से रोका।

विश्व कप में डेम्बेले का तूफान, पहले हाफ में हैट्रिक जड़ नॉर्वे को 4–1 से रौंदा

स्ट्राइकर उस्मान डेम्बेले ने पहले हाफ में ही हैट्रिक बनाई जिससे फ्रांस ने विश्व कप फुटबॉल के ग्रुप आई में नॉर्वे को 4–1 से हराकर अपना विजय अभियान जारी रखा। डेम्बेले ने सातवें, 20वें और 32वें मिनट में गोल किए। उनके एक गोल में काइलियन एमबाप्पे ने मदद की। विश्व कप में पिछले 32 वर्षों में यह पहला अवसर था जबकि किसी खिलाड़ी ने पहले हाफ में ही हैट्रिक बनाई। इससे पहले 1994 में अमेरिका में खेले गए विश्व कप में रूस के फॉरवर्ड ओलेग सालेन्को ने कैमरून के खिलाफ अपने पांच में से तीन गोल शुरुआती 45 मिनट में किए

थे। डेम्बेले इस तरह से लियोनेल मेस्सी और अपने साथी एमबाप्पे के साथ गोल्डन बूट की दौड़ में शामिल हो गए हैं। डेम्बेले ने कहा, ''यह एक अनूठा क्षण है। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि हमने ग्रुप चरण में पहल स्थान पर रहकर अगले दौर में प्रवेश किया। अब हमारा ध्यान अगले मैच पर है जो सबसे महत्वपूर्ण है।'' फ्रांस और नॉर्वे पहले ही नॉकआउट चरण में जगह पक्की कर चुके थे और इस मैच से ग्रुप में शीर्ष पर रहने वाली टीम का फैसला होना था। फ्रांस की टीम ने दबदबा बनाए रखा।

उसकी तरफ से चौथा गोल दूसरे हाफ के इंजुरी टाइम में डेसिरे डोउ ने किया। नॉर्वे के लिए एकमात्र गोल थैलो आसगार्ड ने 21वें मिनट में किया। फ्रांस ने तीन मैचों में 10 गोल किए हैं। डेम्बेले ने कहा, ''हम अपने सभी मैच जीतना चाहते हैं, लेकिन हम अपना ध्यान केंद्रित रखेंगे।'' पिछले साल यूरोप के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के रूप में बैलोन डीओर जीतने वाले और इस साल के विश्व कप में चार गोल कर चुके डेम्बेले 65वें मिनट में मैदान से बाहर चले गए। उनकी जगह ब्रैडली बारकोला मैदान में उतरे। डेम्बेले के दूसरे गोल के बाद आसगार्ड ने खेल फिर से शुरू होने पर महज 14 सेकंड बाद गोल दागकर नॉर्वे को कुछ राहत दिलाई। लेकिन डेम्बेले ने नौ मिनट से भी कम समय में अपना तीसरा गोल करके फ्रांस को फिर से दो गोल की बढ़त दिला दी। एमबाप्पे इस मैच में गोल नहीं कर पाए। उन्होंने सेनेगल और इराक के खिलाफ फ्रांस की जीत में दो–दो गोल किए थे।

विश्व पर्यावरण दिवस माह के तहत फलदार पौधों का रोपण, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। वैश्विक थीम 'प्रकृति से प्रेरित –जलवायु के लिए, हमारे भविष्य के लिए' के अंतर्गत जनपद में मनाए जा रहे विश्व पर्यावरण दिवस माह के अवसर पर विश्व युवक केंद्र, नई दिल्ली एवं युवा विकास समिति, बस्ती के संयुक्त तत्वावधान में चौनपुरवा ब्रिज के समीप स्थित संत निरंकारी आश्रम परिसर में पौधरोपण अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान उन्नत किस्मों के आम, अमरूद, लीची, आंवला सहित अनेक फलदार पौधों का रोपण डॉ. नवीन सिंह के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर डॉ. नवीन सिंह ने कहा कि जलवायु परिवर्तन और बढ़ते पर्यावरणीय संकट से निपटने के लिए प्रत्येक नागरिक को पौधरोपण के साथ–साथ पौधों के संरक्षण का भी संकल्प लेना होगा। उन्होंने कहा कि एक पौधा केवल हरियाली ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ वातावरण, शुद्ध वायु और बेहतर भविष्य का आधार है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करे, तो पर्यावरण संरक्षण का लक्ष्य आसानी से प्राप्त किया जा सकता है। आयोजक संस्था से जुड़े बृहस्पति कुमार पाण्डेय ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस केवल एक दिवस का कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी का सतत अभियान है। उन्होंने सभी नागरिकों, विशेषकर युवाओं से अधिक से अधिक पौधे लगाने, जल संरक्षण, जैव विविधता के संरक्षण तथा पर्यावरण के प्रति जनजागरूकता फैलाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रकृति के साथ संतुलित जीवनशैली ही सतत विकास और सुरक्षित भविष्य की कुंजी है। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने पौधों के संरक्षण एवं पर्यावरण संवर्धन का संकल्प लिया तथा पर्यावरण संरक्षण को जन–आंदोलन बनाने का आह्वान किया।

बस्ती में बनेगा एथेनाल: 350 करोड की लागत से फैक्ट्री का निर्माण दसिया में शुरू

फैक्ट्री लगने से किसानों, बेरोजगारों को होगा फायदा

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। बस्ती, वाल्टरगंज सुगर मिल के बंद हो जाने के बाद जनपद में एथनाल उत्पादन के लिये बड़ी फैक्ट्री का निर्माण सल्टौआ गोपालपुर विकास खण्ड क्षेत्र के दसिया में हो रहा है। कारखाने के शीघ्र शुरू हो जाने की उम्मीद है। इसके शुरू होने से लगभग 700 लोगों को सीधे और 2 हजार लोगों को अपरोक्ष रोजगार मिलेगा। अनीता डिस्टलरी प्राइवेट लिमिटेड के टेक्निकल अधिकारी पी.एन. पाण्डेय ने बताया कि लगभग 350 करोड़ की लागत से बनने वाले कारखाने में एथनाल का निर्माण किया जायेगा। उन्होने बताया कि कारखाने में प्रदूषण नियंत्रण की पूरी व्यवस्था की गई है। बताया कि मक्का और चावल से एथनाल पैदा किया जायेगा। इससे जहां ऊर्जा संकट दूर होगा वहीं विदेशी मुद्रा की भी बचत होगी। भारत सरकार की संस्तुति पर बन रहे कारखाने में भूजल यानी पानी से नहीं धान, मक्का और भूसी से इथेनाल बनेगा। कम्पनी का खुद का 7 मेगावट का पावर प्लांट, वायु प्रदूषण मुक्त 72 मीटर ऊँची चिमनी, लगभग 350 करोड़ की लागत से बनने वाली फैक्ट्री , 6 से 8 सौ कर्मचारी, जल प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मानक पर खरा उतरने वाला प्लांट, सैकड़ों लोगों को होटल, चाय, पानी, बिस्कुट, सुर्ती बीड़ी, गुटखा जैसे दुकान खोलने वालों को अप्रत्यक्ष रोजगार देगा। यह पूंछे जाने पर कि कुछ लोग किस आधार पर फैक्ट्री निर्माण का विरोध कर रहे हैं निदेशक सुधीर जायसवाल ने बताया कि यह उनका अपना निजी दृष्टिकोण है। यहां फैक्ट्री पूरे मानक और नियमों के अनुसार हो रहा है। इससे क्षेत्र के किसानों और बेरोजगारों को सर्वाधिक लाभ होगा।

पहली ही बारिश में बह गई गुणवत्ता की पोल

मुख्यमंत्री लघु सिंचाई योजना का ब्लास्ट कूप ढहा, उठे भ्रष्टाचार के सवाल

सोनभद्र। म्योरपुर ब्लॉक के ग्राम पंचायत कुसम्हा में मुख्यमंत्री लघु सिंचाई योजना से निर्मित हरिप्रसाद के खेत में ब्लास्ट कूप पहली ही बारिश में क्षतिग्रस्त होकर ढह गया। घटना के बाद निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों के अनुसार कूप का निर्माण हाल ही में कराया गया था।

सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बनाई गई इस योजना का लाभ किसानों को मिल पाता, उससे पहले ही पहली बरसात में कूप की दीवारें ध्वस्त हो गईं। इससे सरकारी धन के उपयोग और निर्माण कार्य

की गुणवत्ता को लेकर लोगों में नाराजगी है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि निर्माण मानकों के अनुरूप हुआ होता तो पहली ही बारिश में यह स्थिति नहीं बनती। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से पूरे निर्माण कार्य की तकनीकी जांच कराने और गुणवत्ता में लापरवाही बरतने वाले जिम्मेदार अधिकारियों एवं ठेकेदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि समय रहते जांच नहीं हुई तो अन्य निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर भी सवाल खड़े होंगे।

इस संबंध में लघु सिंचाई विभाग के अवर अभियंता काशीनाथ यादव ने बताया कि, ब्लास्ट कूप इतनी जल्दी खराब नहीं होना चाहिए था। यदि कूप क्षतिग्रस्त हुआ है तो संभवतः मिट्टी के अत्यधिक दबाव के कारण ऐसा हुआ होगा। मामले का निरीक्षण कराया जाएगा और आवश्यक मरम्मत कराई जाएगी।हालांकि ग्रामीण जेई के इस तर्क से संतुष्ट नहीं हैं। उनका कहना है कि यदि निर्माण कार्य गुणवत्ता के मानकों के अनुरूप किया गया होता तो पहली ही बारिश में कूप ढहने की नौबत नहीं आती।

भगवान श्री राम पर विवादित टिप्पणी पर पूर्व मंत्री के खिलाफ भाजपा नेता ने दी पुलिस को तहरीर

कुशीनगर। अपनी जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य के खिलाफ शनिवार को पडरौना कोतवाली थाने में शिकायत दी गई। भाजपा नेता एवं सभासद नीरज सिंह शबिद्दूश ने पुलिस को तहरीर सौंपकर आरोप लगाया कि स्वामी प्रसाद मौर्य लगातार हिंदू धर्म, देवी–देवताओं और धार्मिक आस्थाओं को लेकर विवादित टिप्पणियां कर रहे हैं, जिससे करोड़ों हिंदुओं की भावनाएं आहत हो रही हैं। तहरीर में कहा गया है कि सार्वजनिक मंचों और सोशल मीडिया के माध्यम से की जा रही ऐसी टिप्पणियां समाज में वैमनस्य फैलाने और धार्मिक सौहार्द बिगाड़ने का कारण बन सकती हैं। शिकायत कर्ता ने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच कर विधिक कार्रवाई करने की मांग की है। भाजपा नेता नीरज सिंह शबिद्दूश ने कहा कि भारत सभी धर्मों का सम्मान करने वाला देश है और प्रत्येक व्यक्ति को अपनी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का प्रयोग जिम्मेदारी के साथ करना चाहिए। किसी भी धर्म या उसकी आस्था पर आपत्तिजनक टिप्पणी स्वीकार्य नहीं है। पडरौना कोतवाली ओमप्रकाश तिवारी ने कहा तहरीर प्राप्त होने की पुष्टि करते हुए शिकायत के आधार पर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया अपनाने का भरोसा दिया है। पडरौना कोतवाली प्रभारी ओमप्रकाश तिवारी ने मामले को की जांच के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि स्वामी प्रसाद मौर्य अपने विभिन्न बयानों को लेकर पहले भी कई बार विवादों में रहे हैं। उनके कुछ बयानों पर प्रदेश के अलग–अलग जिलों में विरोध और शिकायतें दर्ज कराई जा चुकी हैं। इस ताजा शिकायत के बाद एक बार फिर उनका बयान राजनीतिक और सामाजिक चर्चा का विषय बन गया है।

रोशनी से जगमग होगा पुरानी बस्ती क्षेत्र, नगरपालिका लगायेगी नये स्ट्रीट लाइट–नेहा वर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। नगर पालिका क्षेत्र के पुरानी बस्ती की सड़के और मुख्य मार्ग अब रोशनी से जगमग

होंगी। यह जानकारी देते हुये नगर पालिका अध्यक्ष नेहा वर्मा ने बताया कि दक्षिण दरवाजा से करूआ बाबा तक 54 लाइट, मां अन्नपूर्णा रसोई से रेलवे स्टेशन तक 24, करूआ बाबा तिराहा से रेलवे क्रासिंग तक 13, सुर्तीहट्टा रोड से पुरानी बस्ती तक 22, पाण्डेय बाजार चौराहा से बांसी रोड 28, पाण्डेय बाजार चौराहा से मेंहदावल रोड 21, पाण्डेय बाजार चौराहा से बाबा शंकरदास पोखरा तक 31 लाइट लगवाये जायेंगे। कुल लगभग 193 लाइट लग जाने से क्षेत्र में रोशनी की पर्याप्त व्यवस्था हो जायेंगी। नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अंकुर वर्मा ने बताया कि पुरानी बस्ती, पाण्डेय बाजार क्षेत्र के लोग निरन्तर लाइट की मांग कर रहे थे। इसके लग जाने से नागरिकों को सुविधा होगी। कहा कि चरणबद्ध ढंग से नागरिकों को बेहतर सुविधा दिलाने के लिये नगर पालिका निरन्तर सक्रिय है। अधिशासी अधिकारी अंगद गुप्ता ने बताया कि 193 लाइट की स्वीकृति मिल चुकी है। इसके साथ ही शहर के विभिन्न चौराहे पर लगे हाई मास्क लाइट की मरम्मत कराकर नयी एलईडी लगवाया जायेगा।

प्रदेश सरकार का विशेष अभियान: जागरूक और समृद्ध बनेंगे गन्ना किसान

कुशीनगर, 27 जून (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश सरकार के दिशा निर्देशों के क्रम में उत्तर प्रदेश चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास विभाग द्वारा गन्ना कृषकों एवं उनके परिवारों को सामाजिक सुरक्षा, आर्थिक संरक्षण एवं कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से सभी सहकारी गन्ना विकास समितियों में जुलाई माह के द्वितीय सप्ताह के दौरान विशेष जागरूकता एवं नामांकन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यह अभियान प्रदेश सरकार द्वारा किसानों के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। जिसके माध्यम से अधिकाधिक गन्ना कृषकों एवं उनके परिवारों को विभिन्न बीमा, पेंशन तथा सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ा जाएगा। प्रत्येक गन्ना कृषक परिवार को सामाजिक सुरक्षा का कवच, जागरूकता, नामांकन और समृद्धि की ओर यह एक महत्वपूर्ण कदम है। 30 जून से पूर्व आयोजित होगी समन्वय बैठकरू– जिला गन्ना अधिकारी हूदा सिद्दीकी ने बताया कि अभियान के सफल संचालन हेतु प्रत्येक जनपद में 30 जून से पूर्व जिला गन्ना अधिकारी की अध्यक्षता में समन्वय बैठक आयोजित कर कार्यक्रम की विस्तृत कार्य योजना तैयार की जाएगी। इस महत्वपूर्ण बैठक में अग्रणी जिला प्रबंधक (एलडीएम), सहकारी गन्ना विकास समिति के अध्यक्ष, इफको प्रतिनिधि, संबंधित चीनी मिलों के प्रधान प्रबंधकध्अधिकारी, ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक एवं समिति सचिव प्रतिभाग करेंगे। बैठक में कार्यक्रम की विस्तृत कार्ययोजना, गोष्ठियों की तिथियों का निर्धारण, विभिन्न संस्थाओं की भूमिका तथा किसानों की अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित करने के उपायों पर विचार–विमर्श किया जाएगा। उन्होंने बताया कि गन्ना आयुक्त के निर्देशानुसार इस कार्यक्रम के अंतर्गत छोटी गन्ना समितियों में तीन दिवसीय तथा बड़ी गन्ना समितियों में पांच दिवसीय कृषक गोष्ठियों का आयोजन किया जाएगा। इन गोष्ठियों में किसानों एवं उनके परिवारों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना सहित अन्य सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की जाएगी। साथ ही पात्र लाभार्थियों का मौके पर ही नामांकन कराने की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी। गोष्ठी स्थलों पर बैंक, इफको, चीनी मिल एवं गन्ना समितियों द्वारा संयुक्त रूप से सहायता एवं नामांकन काउंटर स्थापित किए जाएंगे। इन काउंटरों के माध्यम से किसानों को योजनाओं की पात्रता, आवश्यक दस्तावेज, प्रीमियम, लाभ एवं नामांकन प्रक्रिया की जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अतिरिक्त नए कृषक सदस्यों का समिति में पंजीकरण, बैंक खाते खुलवाने, दस्तावेजों की फोटोकॉपी तथा अन्य आवश्यक सेवाओं की व्यवस्था भी की जाएगी ताकि किसानों को एक ही स्थान पर सभी सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। पर्यवेक्षक संभालेंगे कमान, **SHG** महिलाओं की होगी भागीदारी— इस अभियान के व्यापक प्रचार–प्रसार हेतु पम्पलेटों, बैनर, पोस्टर एवं गन्ना पर्यवेक्षकों को अपने–अपने क्षेत्र के सभी गांवों में जाकर किसानों को कार्यक्रम की तिथियों, योजनाओं के लाभ तथा आवश्यक दस्तावेजों के संबंध में जानकारी देने तथा उनकी सहभागिता सुनिश्चित कराने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। गन्ना पर्यवेक्षक ग्राम स्तर पर किसानों को योजनाओं एवं आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी देकर उनकी सहभागिता बढ़ाएंगे। इसके साथ ही महिला स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को विशेष रूप से आमंत्रित कर महिला सशक्तिकरण एवं सामाजिक सुरक्षा कवरेज को बढ़ावा दिया जाएगा। 10 प्रतिशत गन्ना कृषकों को जोड़ने का लक्ष्य— अभियान के अंतर्गत प्रत्येक गन्ना समिति परिषद, जनपद एवं परिक्षेत्र स्तर पर लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। जिसके अनुसार कम से कम 10 प्रतिशत पंजीकृत गन्ना कृषकों एवं उनके परिवारों को कार्यक्रम में प्रतिभाग कराकर सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से आच्छादित कर लाभ प्राप्त कराया जाएगा। कार्यक्रम की प्रगति का नियमित अनुश्रवण किया जाएगा तथा योजनाओं से लाभान्वित किसानों की प्रगति एवं लाभार्थियों का विवरण संकलित कर आगामी जुलाई माह के तृतीय सप्ताह में मुख्यालय को उपलब्ध कराया जाएगा। यह विशेष अभियान गन्ना कृषकों एवं उनके परिवारों को दुर्घटना, मृत्यु, वृद्धावस्था तथा अन्य सामाजिक–आर्थिक जोखिमों के विरुद्ध सुरक्षा प्रदान करने के साथ उन्हें वित्तीय एवं सामाजिक सुरक्षा के व्यापक दायरे में लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की पहुंच बढ़ेगी तथा किसानों एवं उनके परिवारों के जीवन स्तर में सकारात्मक सुधार आएगा।

चूंटी पुलिया की छत की ढलाई पूरी, जल्द शुरू होगा आवागमन

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। बांसी–बेलौहा मार्ग पर स्थित ऐतिहासिक चूंटी पुलिया के निर्माण कार्य में बड़ी प्रगति हुई है। पुल की छत (स्लैब) की ढलाई पूरी कर ली गई है। अब केवल दोनों ओर सुरक्षा दीवार (रेलिंग) और कुछ अंतिम कार्य शेष हैं। निर्माण पूरा होते ही इस मार्ग पर वाहनों का आवागमन सुचारु रूप से शुरू हो जाएगा और लोग बिना किसी परेशानी के फर्राटा भर सकेंगे।वर्तमान में पुल के निर्माण के दौरान लोगों का आवागमन पुलिया के बगल बनाए गए वैकल्पिक मार्ग से कराया जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि निर्माण कार्य समय पर पूरा नहीं होता तो बारिश के मौसम में जलभराव के कारण यह वैकल्पिक मार्ग बंद हो सकता था, जिससे आवागमन प्रभावित होता।चूंटी पुलिया अंग्रेजों के शासनकाल में निर्मित एक पुरानी एवं संकरी पुलिया थी। इसकी

संकरी संरचना और तीखे मोड़ के कारण यहां अक्सर सड़क दुर्घटनाएं होती थीं। नए और चौड़े पुल के निर्माण से दुर्घटनाओं में कमी आएगी तथा यातायात अधिक सुरक्षित और सुगम होगा।राजमार्ग संख्या–88 पर स्थित इस पुल के निर्माण के लिए शासन ने 2 करोड़ 14 लाख रुपये की स्वीकृति दी थी। पुरानी पुलिया को ध्वस्त करने के बाद लगभग दो माह पूर्व निर्माण कार्य शुरू किया गया था। अब निर्माण अंतिम चरण में पहुंच चुका है और जल्द ही इस मार्ग पर सामान्य आवागमन बहाल होने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ-संवर्धन योजना से किसानों की आर्थिक समृद्धि के खुलेगे द्वार'

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार किसानों की आय दोगुनी करने के साथ–साथ दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। प्रदेश सरकार ने इसके लिए श्मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ–संवर्धन योजनाश् की शुरुआत की। यह योजना से किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में कारगार साबित हो रही है। नंदबाबा दुग्ध मिशन के वरिष्ठ दुग्ध निरीक्षक सुशील कुमार कुशवाहा ने बताया कि इस योजना के तहत पशुपालकों को उन्नत नस्ल की 02 स्वदेशी गायों की डेयरी इकाई स्थापित करने के लिए 80 हजार रुपये तक का अनुदान दिया जा रहा है। मौजूदा वित्त वर्ष में इस योजना के तहत जनपद के 28 लाभार्थियों (14 महिला, 14 पुरुष) को योजना का लाभ दिया जाएगा। योजना का लाभ लेने के लिए **https:@@nandbabadu gdhmission-up-gov-in** आवेदन किया जा सकता है। आवेदन की अंतिम तिथि 10 जुलाई है। बताया कि योजना का मुख्य उद्देश्य उन्नत नस्ल की स्वदेशी गौवंश को बढ़ावा देना जिससे ज्यादा दुग्ध उत्पादन के साथ साथ संकर नस्ल की गायों में फैल रही तरह तरह की बीमारियों जैसे लम्पी रोग आदि से निजात दिलाते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार के नए अवसर पैदा करना है।श्री दुबे द्वारा बताया कि इस योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को दो उन्नत नस्ल की स्वदेशी गायों की इकाई लगानी होगी। इसकी कुल स्थापना लागत का 40 प्रतिशत या अधिकतम 80,000 रुपये तक का अनुदान शासन द्वारा सीधे बैंक खाते में भेजा जाता है। बताया कि सरकार ने इस योजना में महिला सशक्तिकरण को विशेष प्राथमिकता दी है। कुल निर्धारित लक्ष्य का 50 प्रतिशत हिस्सा केवल महिला दुग्ध उत्पादकों और महिला पशुपालकों के लिए आरक्षित किया गया है। इससे ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में बहुत मदद मिलेगी।'सिर्फ उन्नत नस्ल की गायों की खरीद पर मिलेगा लाभ' । योजना के नियमों के मुताबिक, पशुपालकों को दूसरे राज्यों से गिर, साहीवाल, थारपारकर और हरियाणा जैसी उन्नत नस्ल की स्वदेशी गायें खरीदनी होंगी। सरकार ने शर्त रखी है कि खरीदी जाने वाली गायें केवल प्रथम या द्वितीय ब्यांत की ही होनी चाहिए ताकि दुग्ध उत्पादन का अधिकतम लाभ मिल सके। इससे प्रदेश में दूध की किल्लत दूर होगी और शुद्ध स्वदेशी दूध की उपलब्धता बढ़ेगी।

कम्युनिटी पुलिसिंग के तहत पुलिस ने ग्रामीणों से किया संवाद

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर।शोहरतगढ़ पुलिस ने शुक्रवार को कम्युनिटी पुलिसिंग अभियान के तहत मड़वा गाँव में जनसंवाद एवं गोष्ठी का आयोजन किया। कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याएं सुनीं तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह के निर्देशन में आयोजित गोष्ठी में पुलिस टीम ने करीब 70 वर्षीय बुजुर्ग सहित ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याओं एवं क्षेत्र की स्थिति की जानकारी ली। ग्रामीणों ने बताया कि उन्हें वृद्धावस्था पेंशन सहित अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ नियमित रूप से मिल रहा है तथा गांव में आपसी सौहार्द का माहौल है। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों को कानून–व्यवस्था बनाए रखने, साइबर अपराधों से सतर्क रहने तथा किसी भी प्रकार की आपात स्थिति में तत्काल पुलिस से संपर्क करने के लिए प्रेरित किया। ग्रामीणों ने पुलिस की इस पहल की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाने की अपेक्षा जताई। गोष्ठी में निरीक्षक अवधेश कुमार पाण्डेय, कांस्टेबल राजकुमार यादव, महिला कांस्टेबल रूबी सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

विधिक जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार एवं राम सुलीन सिंह माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, के आदेशानुसार साईं हॉस्पिटल, राबर्ट्सगंज जिला– सोनभद्र **International Day Against äug Abuse and Illicit Trffaicking** विषय पर विधिक जागरूकता शिविर कार्यक्रम का आयोजन श्री राहुल, सिविल जज, सी0डि0 सचिव(पूर्णकालिक), जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सोनभद्र द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान शमशेर बहादुर सिंह, चीफ एल.ए.डी.सी, डॉ0 अनुपमा सिंह, डायरेक्टर साईं हॉस्पिटल, डॉ0 संजय सिंह, डॉ0 किरन सिंह, डॉ0 रोजी सिंह, सोनभद्र एवं दीपन कुमार परा‌विधिक स्वयं सेवक/अधिकार मित्र तथा 50 आमजन और युवावर्ग उपस्थित रहे। सिविल जज, सी0डि0 सचिव (पूर्णकालिक), जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सोनभद्र उपस्थित लोगों को **International Day Against äug Abuse and Illicit Trffaicking** के बारे में विस्तार से बताया गया तथा नशीली दवाओं के दुरूपयोग के खतरों के बारें में बताया गया एवं मादक द्रव्यों के सेवन, उससे जुड़े स्वास्थ्य जोखिमों, निर्भरता के मुद्दों और विभिन्न उपचारों . ष्टिकोणों के बारें में उन्हे जागरूक किया गया। शमशेर बहादुर सिंह,

चीफ एल.ए.डी.सी, द्वारा बताया गया कि नशीनी दवाओं का सेवन व्यक्ति के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के साथ–साथ उसके परिवार और समाज पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है, नशे की लत कई बार व्यक्ति को अपराध की ओर ले जाती है। मादक पदार्थो के दुष्प्रभाव, नशा मुक्ति के उपाय, पुनर्वास की आवश्यकता, नि:शुल्क विधिक सहायता तथा एन0डी0पी0एस0 अधिनियम के प्रमुख प्रावधानों के बारे में जागरूक किया गया। इसके अलावा उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार तथा माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सोनभद्र के आदेशानुसार आज दिनांक 27.06.2026 को राहुल, सिविल जज सी0डि0/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सोनभद्र द्वारा जनपद सोनभद्र में समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित वृद्धाश्रम का निरीक्षण तथा विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। निरीक्षण के दौरान वृद्धाश्रम के समस्त कर्मचारीगण उपस्थित रहे एवं वृद्धाश्रम में कुल 46 वृद्ध उपस्थित पाये गये। सिविल जज सी0डि0/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सोनभद्र द्वारा उपस्थित वृद्धजनों को उनके अधिकार के सन्दर्भ में बताते हुए कहा गया कि ढलती उम्र की समस्यांओं की गंभीरता को महसूस करते हुए भारत सरकार ने इनसे निपटने के लिए कई नीतियां और योजनाएं बनायी है। सरकार वयोवृद्धता से संबंधित मैड्रिड अन्तर्राष्ट्रीय कार्य योजना सहित वयोवृद्धता के बारे मे विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय कार्य योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए भी प्रतिबद्ध है। अभिभावकों और वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण से संबंधित कानून 2014, इस कानून मे माता–पिता/ दादा–दादी को उनके बच्चों से आवश्यकतानुसार गुजारा भत्ता दिलवाने की व्यवस्था है तथा वरिष्ठ नागरिकों के भरण–पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007 के प्रावधानों एवं शासन द्वारा वृद्धावस्था पेंशन व चिकित्सा संबंधी योजनाओं के संबंध में जागरूक किया गया।यह जानकारी राहुल, सिविल जज सी0डि0/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, द्वारा दी गयी हैं।

साइबर टीम की सक्रियता से पीड़ित को मिले 8 हजार रुपये वापस

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।म्योरपुर थाना की साइबर हेल्प डेस्क ने त्वरित कार्रवाई करते हुए साइबर ठगी के शिकार एक व्यक्ति के 8 हजार रुपये उसके मूल बैंक खाते में वापस करा दिए। पुलिस की इस कार्रवाई से पीड़ित ने राहत की सांस ली और साइबर टीम की सराहना की।पुलिस के अनुसार, थाना क्षेत्र के चांगा (पोस्ट आरंगपानी) निवासी बुद्धिनारायन साइबर ठगी का शिकार हो गए थे। ठगों ने उनके खाते से 8 हजार रुपये निकाल लिए थे। मामले की शिकायत मिलने पर थाना म्योरपुर की साइबर टीम ने एनसीआरपी (छब्च्) पोर्टल पर शिकायत का परीक्षण कर संबंधित खाते को तत्काल होल्ड कराया। इसके बाद आवश्यक साक्ष्य एकत्र कर संबंधित बैंक से ई–मेल एवं पत्राचार के माध्यम से समन्वय स्थापित किया गया, जिसके परिणामस्वरूप ठगी की पूरी धनराशि 8 हजार रुपये पीड़ित के मूल बैंक खाते में वापस करा दी गई।यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) ऋषभ रुणवाल एवं क्षेत्राधिकारी दुद्धी राजेश राय के पर्यवेक्षण तथा थाना प्रभारी रविकांत मिश्रा के नेतृत्व में की गई।धनराशि वापस कराने वाली टीम में थाना प्रभारी रविकांत मिश्रा, साइबर हेल्प डेस्क के कांस्टेबल प्रेम प्रकाश तथा कांस्टेबल अनुप मौर्य शामिल रहे।पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी अज्ञात व्यक्ति के साथ आधार, पैन, बैंक खाता, पासवर्ड, ओटीपी या नेट बैंकिंग से जुड़ी गोपनीय जानकारी साझा न करें। साइबर ठगी की स्थिति में तत्काल साइबर हेल्पलाइन 1930 पर कॉल करें,निकटतम थाने में सूचना दें या बलइमतबतपउम.हवअ. पद पर शिकायत दर्ज कराएं।

छत से गिरकर युवक की मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।वाराणसी में शुक्रवार देर रात घोरावल कोतवाली क्षेत्र के लिलवाही गांव निवासी कन्हैयालाल गोंड 39 वर्ष की संदिग्ध परिस्थितियों छत से गिरकर मौत हो गई। शनिवार सुबह पुलिस ने उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। लिलवाही ग्राम पंचायत के गौरवा टोला निवासी कन्हैयालाल गोंड पुत्र लल्लू गोंड चार पांच साल से वाराणसी में मिस्त्री का काम करते हैं।शुक्रवार की रात चौथी मंजिल से गिरकर मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि शुक्रवार देर रात वाराणसी के पांडेपुर निवासी ठेकेदार सुभाष चंद्र मौर्य ने फोन करके उन लोगों को बताया कि कन्हैयालाल रात में निर्माणाधीन मकान की चौथी मंजिल से नीचे गिर पड़ा। उसे अस्पताल ले जाया गया। वाराणसी में अस्पताल में डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। शनिवार सुबह कन्हैयालाल का एंबुलेंस द्वारा लिलवाही गांव पहुंचा। मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची। उसके बाद मृतक के शव को घोरावल कोतवाली लाया गया, जहां पंचनामा करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया। बताया गया कि मृतक कन्हैया लाल के दो छोटे–छोटे पुत्र और एक पुत्री है। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार सिंह ने बताया कि मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

सदर तहसील के समक्ष अधिवक्ताओं ने नारेबाजी कर किया विरोध प्रदर्शन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। सदर तहसील में व्याप्त भ्रष्टाचार एवं मनमानी के

विरुद्ध शनिवार को तहसील के समक्ष अधिवक्ताओं ने नारेबाजी कर विरोध प्रदर्शन किया। साथ ही अपने 4 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन एसडीएम को सौंपा। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन, सोनभद्र के अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह एडवोकेट के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने शनिवार को उप जिलाधिकारी, रॉबर्ट्सगंज को ज्ञापन सौंपकर तहसील रॉबर्ट्सगंज में व्याप्त भ्रष्टाचार, अनियमितताओं एवं मनमानी कार्यशैली के विरुद्ध कड़ी आपत्ति दर्ज कराई।डीबीए के पूर्व अध्यक्ष जगजीवन सिंह एडवोकेट ने कहा कि तहसील में अनेक वादों का निस्तारण बिना संबंधित पक्षों एवं अधिवक्ताओं को समुचित अवसर दिए किया जा रहा है, जो प्रा. तिक न्याय के सिद्धांतों के विपरीत है। अधिवक्ताओं ने आरोप लगाया कि नायब तहसीलदार विजयगढ़ द्वारा वादों का त्वरित एवं मनमाने ढंग से निस्तारण किया जा रहा है, जिससे अधिवक्ताओं एवं वादकारियों में व्यापक असंतोष व्याप्त है। आगे कहा कि कुछ वादकारियों द्वारा अवैध धनराशि लेकर प्रकरणों के निस्तारण किए जाने संबंधी गंभीर आरोप लगाए गए हैं। इन आरोपों की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की गई है। बार एसोसिएशन के महामंत्री राजेंद्र कुमार यादव एडवोकेट ने कहा कि अधिवक्ताओं की बातों को गंभीरता से नहीं सुना जाता तथा वादकारियों के साथ असम्मानजनक व्यवहार एवं अनावश्यक विलंब की शिकायतें लगातार प्राप्त हो रही हैं, जिससे न्यायिक व्यवस्था की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लग रहा है । एसोसिएशन ने प्रशासन से मांग की कि तहसील रॉबर्ट्सगंज में न्यायिक एवं राजस्व कार्यों में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए, प्रत्येक पक्ष को निष्पक्ष सुनवाई का अवसर प्रदान किया जाए तथा भ्रष्टाचार एवं मनमानी पर तत्काल प्रभावी अंकुश लगाया जाए डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई तो अधिवक्ता समुदाय जनहित एवं न्यायहित में लोकतांत्रिक तरीके से व्यापक आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा , जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। विरोध प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपने वालों में प्रमुख रूप से अधिवक्ता कामता प्रसाद यादव,राजेश यादव, पवन कुमार सिंह,सुरेश सिंह कुशवाहा, टीटू प्रसाद गुप्ता, आदर्श देव पांडेय,राजकुमार सिंह,संतोष कुमार यादव, शाहनवाज आलम खान, रविंद्र पटेल, राकेश सिंह पटेल, रोशन खान आदि लोग शामिल रहे।

जिलाधिकारी ने गोठानी शिव मंदिर में की पूजा–अर्चना, पर्यटन विकास कार्यों का किया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र । जिलाधिकारी ने आज गोठानी स्थित प्राचीन शिव मंदिर पहुंचकर विधिवत पूजा–अर्चना की तथा जनपदवासियों के सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इसके उपरांत उन्होंने गोठानी शिव मंदिर को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किए जाने हेतु प्रस्तावित कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने पर्यटन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि गोठानी शिव मंदिर को एक आकर्षक धार्मिक एवं पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए ऐसी समग्र कार्ययोजना तैयार की जाए, जिससे श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हो सकें और क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिले। इस दौरान जिलाधिकारी ने गोठानी शिव मंदिर तक पहुंचने हेतु स्वी.त नवनिर्मित सड़क का कार्य अब तक प्रारंभ न होने पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने अधिशासी अभियंता, निर्माण खंड को निर्देशित किया कि सड़क निर्माण का कार्य तत्काल प्रारंभ कराया जाए।

साथ ही उप जिलाधिकारी ओबरा श्री विवेक कुमार सिंह को निर्देश दिए कि जिन किसानों की भूमि सड़क निर्माण में अधिग्रहित हुई है, उन्हें मुआवजा वितरण हेतु सोमवार से तहसील में विशेष कैंप आयोजित कर धनराशि का वितरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि इस कार्य में किसी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। इसके पश्चात जिलाधिकारी ने भूमि संरक्षण विभाग द्वारा प्रस्तावित नई बंधी के निर्माण स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने भूमि संरक्षण अधिकारियों को निर्देशित किया कि बंधी का निर्माण वैज्ञानिक एवं तकनीकी मानकों के अनुरूप कराया जाए, जिससे अधिक से अधिक किसानों को सिंचाई एवं जल संरक्षण का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि बंधी निर्माण की कार्ययोजना को अंतिम रूप देने से पूर्व उसकी थर्ड पार्टी से तकनीकी जांच कराई जाएगी। साथ ही स्पष्ट निर्देश दिए कि निजी व्यक्तियों की भूमि पर जिला खनिज फाउंडेशन न्यास (डीएमएफ) के माध्यम से किसी भी प्रकार की स्वी.ति प्रदान नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी ओबरा विवेक कुमार सिंह, भूमि संरक्षण अधिकारी रॉबर्ट्सगंज, भूमि संरक्षण अधिकारी चोपन, जिला .षि रक्षा अधिकारी संतपाल वर्मा सहित अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

पेय जल आपूर्ति की मांग को लेकर किया प्रदर्शन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। म्योरपुर ब्लॉक के ग्राम पंचायत आरंगपानी के

छपरीडाड के ग्रामीणों ने गिरते जल स्तर से सुख रहे हैंड पंपों और नमामि गंगे परियोजना से पानी आपूर्ति ना होने से नाराज ग्रामीणों ने शनिवार को प्रदर्शन किया और कहा कि कागजों पर पानी की आपूर्ति हो रहा है ।हम लोग बूंद बूंद पानी के लिए मोहताज है, ग्रामीणों ने जल्द पानी आपूर्ति की मांग की युवा समाज सेवी राजू गुप्ता ने बताया कि आरंगपानी के झपरीडाड में दलित समाज (धरकार समाज) एवं आदिवासी समाज के (खरवार)एवं ओबीसी समाज के (सोनी समाज)के लोग रहते हैं जिन्हें पीने के पानी की बहुत परेशानी झेलना पड़ रहा, है प्रदर्शन करने वालों में राजू कुमार गुप्त , विजय सोनी वार्ड सदस्य, राजेंद्र धरकार पुर्व वार्ड सदस्य, समाजसेवी संतोष गुप्ता, रामसहाय, बंधु राम, कौशल्या देवी, नंदलाल, गेंदालाल, दिनेश कुमार, शिव कुमारी, मधु देवी, लीलावती, कैलाश, राजदेव, रामगुलाम, कुसुम देवी, शादी कई दर्जन लोग पानी की समस्या को लेकर के सांकेतिक प्रदर्शन किया और सरकार से मांगी कि जल्द से जल्द पानी की सप्लाई की जाए जिससे वहां के लोगों को पीने का पानी मिल सके।

'मुख्य विकास अधिकारी ने विकास भवन परिसर से पल्स पोलियो जनजागरूकता रैली को दिखाई हरी झंडी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। सघन पल्स पोलियो महाअभियान के सफल संचालन एवं जनजागरूकता के उद्देश्य से शनिवार को विकास भवन परिसर से पल्स पोलियो जनजागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली को मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती जागृति

अवस्थी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी, आशा कार्यकर्त्रियाँ, आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियाँ, विभिन्न विभागों के कर्मचारी तथा स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया। रैली को संबोधित करते हुए मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी ने कहा कि पल्स पोलियो अभियान केवल स्वास्थ्य विभाग का कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनसहभागिता का महाअभियान है। उन्होंने सभी अभिभावकों से अपील की कि 0 से 5 वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं तथा अभियान को सफल बनाने में अपना सहयोग दें। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि, ग्राम पंचायतें, स्वयं सहायता समूह, आंगनबाड़ी एवं आशा कार्यकर्त्रियाँ अभियान को घर–घर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं, जिससे कोई भी बच्चा पोलियो की दवा से वंचित न रहे। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि 28 जून 2026 को जनपद के सभी निर्धारित पोलियो बूथों पर प्रातः 9:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी। इसके उपरांत स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर–घर जाकर छूटे हुए बच्चों को पोलियो की दवा पिलाएंगी। उन्होंने जनपदवासियों से अपील की कि अपने बच्चों को निकटतम पोलियो बूथ पर अवश्य लेकर आएं और पोलियो मुक्त भारत के संकल्प को साकार करने में सक्रिय सहभागिता निभाएं।

उद्योग बंधु की बैठक विकास भवन सभागार में संपन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। उद्योग बंधु की बैठक विकास भवन में मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में पूर्व में उठाए गए मुद्दों के संदर्भ में चर्चा की गई। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन के जिला अध्यक्ष कौशल शर्मा ने कहा कि बैठक में व्यापारियों की समस्याओं का समाधान जिला प्रशासन की सकारात्मक पहल है। मिर्जापुर डिपो की रोडवेज बस लाई ओवर के नीचे से संचालित की जा रही थी उसे बंद कर डिपो से संचालित करने के आदेश का व्यापारियों ने स्वागत किया। श्री शर्मा ने कहा कि प्रत्येक वर्ष स्कूल खुलने के बाद सीबीएसई बोर्ड से संचालित स्कूलों से जारी फरमान के तहत किताबें एक ही दुकान से एनसीईआरटी की किताबों की तुलना में चौगुने दामों पर मिलती है। उन्होंने कहा की एनसीईआरटी विद्यालयी शिक्षा के लिए पाठ्य पुस्तकों का निर्माण करने वाली भारत सरकार की स्वायत्त संस्था है जो कक्षा 1 से 8 तक की किताबें खासकर हिंदी व्याकरण, इंग्लिश ग्रामर ,जीके, कंप्यूटर ,मोरल साइंस

कम मात्रा में छापती है और इन्हीं किताबों में खेल होता है उन्होंने कहा कि हमारी मांग है कि स्कूल खुलने के कुछ दिन पूर्व स्कूल की वेबसाइट पर पर किताब का नाम, विषय, प्रकाशक का नाम, मूल्य सहित नोटिस बोर्ड पर भी चस्पा कर दिया जाय। इसकी कॉपी बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं जिला विद्यालय निरीक्षक को भी दी जाए इसके बाद कोई संशोधित लिस्ट जारी न किया जाए। उन्होंने कहा कि एनजीटी की एक रिपोर्ट के अनुसार सोनभद्र में औद्योगिक इकाइयों से प्रतिदिन 40 किलोग्राम मरकरी हवा में छोड़ी जा रही है अध्ययनों में पाया गया कि पेयजल नमूनो में पारा अनुमेय सीमा से 3से26 गुना अधिक है अनपरा के डिबुलगंज के हैंडपंप से लिए गए नमूने से .026 पी पी एम पाई गई जो सुरक्षित स्तर से 26 गुना अधिक है इन क्षेत्रों से लिए गए रक्त नमूनों में पारे की सर्वाधिक मात्रा 113.48 माइक्रोग्राम जो निर्धारित पैमाने से 20 गुना ज्यादा है। जिसके कारण लोगों के हाथ पर सुन्नपन, पक्षाघात, बोलने में कठिनाई, .ष्टि एवं श्रवण शक्ति प्रभावित होना शरीर का संतुलन बिगड़ना , गर्भस्थ शिशुओं में जन्मजात वि.तियां और असमय अनेक लोगों की मृत्यु आदि की संभावनाएं और अधिक बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि यहां संचालित तापीय विद्युत गृहों, कोयला, खनन परियोजनाओं तथा अन्य औद्योगिक इकाइयों के कारण पर्यावरण एवं जन स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंकाएं निरंतर बढ़ती जा रही है यदि समय रहते इसकी जांच एवं नियंत्रण नहीं किया गया तो आने वाली पीढ़ियों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर दुष्प्रभाव वाले परिणाम आ सकते हैं उन्होंने ज्ञापन के माध्यम से मांग किया कि सभी औद्योगिक क्षेत्र विशेष कर अनपरा, ओबरा शक्तिनगर, बीजपुर एवं रेणुकूट क्षेत्र में प्रदूषण की स्वतंत्र एवं उच्च स्तरीय जांच करा कर इस पर तत्काल रोक लगाई जाए। बैठक में मुख्य रूप से शरद जायसवाल, विनय जायसवाल नागेंद्र मोदनवाल, नरेंद्र गर्ग, विमल अग्रवाल मनोज जालान, नवल बाजपेई, राजेश गुप्ता , धीरेन जायसवाल हाजी सलीम हुसैन आदि मौजूद रहे।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने चोपन थाना दिवस में सुनीं जनशिकायतें, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के दिए निर्देश'

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ एवं पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने शनिवार को चोपन थाना परिसर में आयोजित थाना दिवस में पहुंचकर फरियादियों की जनसमस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरता से सुना। इस दौरान प्राप्त शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु संबंधित

अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम मौके पर जाकर शिकायतों का निष्पक्ष, समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करे, ताकि आमजन को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी ओबरा विवेक कुमार सिंह सहित राजस्व एवं पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक: श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, मकान नं0- 176, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं मकान नं. 203 निकट बी.एस.एन.एल. टॉवर खलवा मोहल्ला, नगर पालिका परिषद- बलरामपुर, जनपद- बलरामपुर, उ.प्र.-271201 से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं0- UPHIN/2021/86502 । सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद जनपद- सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

बेबी डू डाई डू का ट्रेलर जारी: हुमा कुरैशी निभाएंगी भारत की पहली देसी हिटवुमन का रोल, बॉक्स ऑफिस पर होगी ऐल्फा से टक्कर

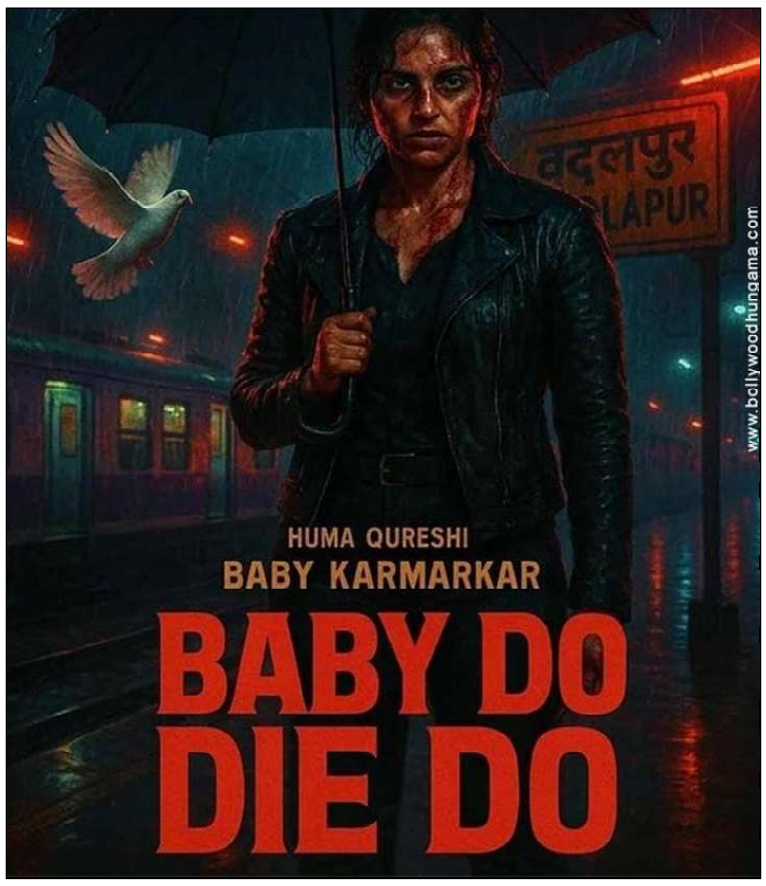

बेबी डू डाई डू के निर्माताओं ने आगामी क्राइम थ्रिलर का आधिकारिक ट्रेलर जारी कर दिया है. यह ट्रेलर रहस्यों, विश्वासघात और बदले से भरी एक अंधेरी और रहस्यमयी दुनिया की झलक दिखाता है. फिल्म में हुमा कुरैशी भारत की पहली देसी हिटवुमन के रूप में एक अभूतपूर्व भूमिका में नजर आ रही हैं.

नाचिकेत सामंत द्वारा निर्देशित यह फिल्म हुमा कुरैशी और उनके भाई साकिब सलीम के बैनर सलीम सिब्लिंग्स के तहत निर्मित पहली फिल्म है. यह फिल्म 3 जुलाई, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है, उसी दिन आलिया भट्ट और शरवरी की एक्शन से भरपूर जासूसी थ्रिलर भी रिलीज हो रही है.

दो महिला प्रधान हत्यारों की कहानियों के बीच बॉक्स ऑफिस पर एक दुर्लभ टकराव होने जा रहा है. इस टकराव ने ऑनलाइन काफी बहस छेड़ दी है, क्योंकि दर्शक बड़े बजट की जासूसी फिल्मों और अपरंपरागत हत्यारी की कहानी के बीच अपना पक्ष चुन रहे हैं.

फिल्म बेबी डू डाई डू का ट्रेलर हुमा के किरदार बेबी से परिचय कराता है, जो एक मूक–बधिर महिला है और अपनी चुप्पी के पीछे एक खतरनाक अतीत को छुपाती है. अंडरवर्ल्ड की पृष्ठभूमि पर आधारित यह फिल्म एक ऐसी दुनिया में उसके सफर को दिखाती है जहां भरोसा करना मुश्किल है और हर खुलासे से कहानी में नए मोड़ आते हैं.

हुमा ने ट्रेलर में अपने दमदार अभिनय से सबका ध्यान खींचा है, जिसमें उन्होंने डायलॉग्स के बजाय भाव–भंगिमाओं और अभिनय पर अधिक जोर दिया है. वीडियो में तीव्र टकराव, रहस्यमय मिशन और कई रोमांचक क्षण दिखाए गए हैं, जो एक रोमांचक थ्रिलर की झलक देते हैं.

अपने किरदार के बारे में बात करते हुए हुमा ने मीडिया से कहा, बेबी ने मुझे उन तरीकों से चुनौती दी जिनकी मैंने उम्मीद नहीं की थी. वह शब्दों पर निर्भर नहीं रहती, इसलिए हर भावना को भीतर से व्यक्त करना पड़ा. कई बार तो चुप रहना भी संवाद के पन्ने बोलने से कहीं ज्यादा मुश्किल लगता था. मुझे बस यही उम्मीद है कि लोग फिल्म को पहले से समझने की कोशिश किए बिना थिएटर में आएं और बस उसके साथ इस सफर का आनंद लें.

फिल्म में हुमा के अलावा सिकंदर खेर, चंकी पांडे, रचित सिंह, विद्या मालवदे, मरुधा शेखावत, अरुण कुशवाह और हिमांशु मलिक अहम भूमिकाओं में हैं. सिकंदर खेर ने बताया कि फिल्म का सबसे दिलचस्प पहलू यह है कि किरदार वैसे नहीं हैं जैसे वे पहली नजर में दिखते हैं.

उन्होंने कहा, मुझे सबसे ज्यादा यही पसंद आया कि इस फिल्म में कोई भी किरदार वैसा नहीं है जैसा वह दिखता है. हर दृश्य में एक नई परत छिपी है. मुझे लगता है कि कहानी जैसे–जैसे आगे बढ़ेगी, दर्शकों को इसके अलग–अलग पहलुओं को समझने में मजा आएगा. चंकी पांडे ने पटकथा की भी प्रशंसा करते हुए कहा कि कहानी दर्शकों को लगातार तब चौंकाती है, जब उन्हें लगता है कि उन्होंने इसे समझ लिया है.

लॉक अप सीजन 2 में कैद होने वाली हैं टीवी की मासूम बहू शिवांगी जोशी, कंटेस्टेंट्स को देंगी टफ कंपटीशन

टीवी एक्ट्रेस शिवांगी जोशी इन दिनों खूब सुर्खियों में हैं. जल्द ही वो आने वाले रियलिटी शो लॉक अप सीजन 2 में नजर आने वाली हैं, जिसे लेकर उनके फैंस बहुत एक्साइटेड हैं. पर्दे पर मासूम और छुई मुई बहू का किरदार निभाने वाली शिवांगी शो में

नए अवतार के नजर आने वाली है. इसी बीच शो के लिए एक्साइटमेंट और खुशी दिखाते हुए शिवांगी ने कई बातें शेयर की हैं. कंटेस्टेंट के रूप में नेटफ्लिक्स के इस शो में एंट्री करने पर शिवांगी ने कहा कि मैं बहुत स्ट्रॉन्ग रहूंगी और हिम्मत करके खेलूंगी. मैं बहुत सेंसिटिव और नर्वस हूं, लेकिन अब मैंने चौलेंज ले लिया है, तो इसे एक्सेप्ट करते हुए आगे बढ़ूंगी. शिवांगी की ये बातें उनके फैंस को बहुत पसंद आ रही है और सभी उनका हौसला बढ़ा रहे हैं.

बता दें कि शिवांगी को ये रिश्ता क्या कहलाता है से नई ऊंचाई मिली और उन्हें हर घर में पहचान मिली. इसके बाद उन्हें टीवी की सबसे पसंदीदा बहू और बेटी के से एक माना जाता हैं. आज भी उनके शोज के लिए फैंस बेसब्री से इंतजार करते है और उनका साथ देते हैं. अब नेटफ्लिक्स जैसे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर वो इस रियलिटी शो में दस्तक दे रही है, जिसे फराह खान और रितेश देशमुख होस्ट करने वाले हैं. ये शो 28 जून से स्ट्रीम किया जाएगा और इसमें शिवांगी के अलावा राम कपूर जैसे कलाकार नजर आने वाले हैं.

वहीं बात करें करियर की, तो शिवांगी ने बेगूसराय सीरियल से शुरुआत की थी. वो उत्तराखंड की एक सिंपल लड़की थी, जिसे अंदाजा नहीं था कि वो यहां तक पहुंचेगी. ये रिश्ता क्या कहलाता है में उनके किरदार ने सभी दर्शकों पर मानो जादू कर दिया हो. इसके अलावा शिवांगी को खतरों के खिलाड़ी में भी देखा गया, लेकिन तबियत खराब होने की वजह से उन्होंने बीच के शो छोड़ दिया. अब ये शो उनके करियर को नई ऊंचाई दे सकता हैं.

प्रीतम एंड पेड्रो का ट्रेलर रिलीज, साइबर क्राइम केस में उलझे अरशद वारसी, विक्रांत मैसी ने चौंकाया

अरशद वारसी अपनी कॉमेडी से दर्शकों को हंसाते हैं, जल्द ही सीरीज श्प्रीतम एंड पेड्रोश्य में उनका ऐसा ही अंदाज नजर आएगा। लेकिन इस बार कॉमेडी के साथ साइबर क्राइम की कहानी भी दर्शकों को देखने को मिलेगी। इस सीरीज के क्रिएटर निर्देशक राजकुमार हिरानी हैं। सीरीज में कई नामी बॉलीवुड एक्टर्स भी नजर आएंगे। यहां, जानिए श्प्रीतम एंड पेड्रोश्य के ट्रेलर में क्या कुछ खास है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि अरशद वारसी गोवा में रहते हैं। वह क्राइम ब्रांच में पुलिस ऑफिसर हैं। लेकिन अचानक उनका ट्रांसफर साइबर क्राइम डिपार्टमेंट में हो जाता है। इस दौरान एक नेता के बेटे को किडनैप कर लिया जाता है। फिरौती मांगने वाली हाइटेक अपराधी हैं। इन्हें पकड़ने के लिए पुलिस ऑफिसर प्रीतम एक हैकर पेड्रो की मदद लेता है। इस सीरीज में विलेन के रोल में विक्रांत मैसी हैं। उन्हें इस तरह के रोल में देखकर दर्शक चौंक जाएंगे। इस सीरीज में अरशद वारसी के अलावा वीर हिरानी हैं, जो पेड्रो का रोल कर रहे हैं। विक्रांत मैसी के अलावा मोना सिंह, बोमन ईरानी भी श्प्रीतम एंड पेड्रोश्य में नजर आएंगे। इनके अलावा सीरीज में सत्यदीप मिश्रा और श्रुति मराठे भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। यह सीरीज 3 जुलाई को जियो हॉटस्टार पर रिलीज होगी।

क्राइम और सियासत का घातक खेल, 2 जुलाई से स्ट्रीम होगी तेलुगु सीरीज इसकापटनम

तेलुगु–भाषा की क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज इसकापटनम ओटीटी पर स्ट्रीम होने के लिए तैयार है। यह 1990 के दशक के एक बंदरगाह शहर पर आधारित है, जहां व्यक्तिगत नुकसान, वफादारी, पारिवारिक झगड़ों और राजनीतिक संघर्ष की कहानी दिखाई जाएगी। गुरुवार को सीरीज के मेकर्स ने सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी दी कि यह सीरीज 2 जुलाई से अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी। गैरी बीएच द्वारा निर्देशित सीरीज की कहानी को प्रशांत रागाथी ने लिखा है और इसके डायलॉग ताजुद्दीन सैयद ने लिखे हैं। इसमें समुथिरकानी, ऐश्वर्या राजेश, सुनील, नरेश अगस्त्य, मेरिन फिलिप, सुधाकर कोमाकुला, राजीव कनाकला, माइम गोपी, रोहिणी बनर्जी, ज्वाला कोटी, रवि वर्मा और राजा चेम्बोलु अहम भूमिकाओं में हैं। तमाडा मीडिया प्रोडक्शनस के बैनर तले राहुल तमाडा और साईदीप रेड्डी बोरा द्वारा प्रोड्यूस की गई यह सीरीज 2 जुलाई को प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। प्राइम वीडियो के ओरिजिनल्स के डायरेक्टर और हेड, निखिल मधोक, ने सीरीज को लेकर बताया, हमारे पास साउथ की फिल्मों और सीरीज की एक बहुत बड़ी श्रृंखला है, जिसमें अलग–अलग भाषाओं, जॉनर और थीम की कहानियां हैं, जो भारत समेत दुनिया भर के अलग–अलग तरह के दर्शकों को पसंद आती है। हम इस सीरीज के जरिए इसे और भी बढ़ा रहे हैं। यह बदले की भावना से भरी एक जबरदस्त क्राइम कहानी है, जिसमें एक दिलचस्प कहानी के साथ–साथ कई परतों वाले और असल जिंदगी से जुड़े किरदार शामिल हैं। उन्होंने आगे बताया, यह सीरीज गैरी के बेहतरीन निर्देशन में समुथिरकानी और ऐश्वर्या की शानदार एक्टिंग और एक प्रतिभाशाली कास्ट के साथ इस रॉ और दिलचस्प दुनिया को स्क्रिन पर बहुत शानदार तरीके से दिखाया गया है। तमाडा एक बेहतरीन पार्टनर रहे हैं, जिनके साथ हमने एक ऐसी शानदार और असली प्रोडक्शन वाली कहानी बनाई है, जिसके बारे में हमें पूरा भरोसा है कि जब यह प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी, तो दुनिया भर के दर्शक इसे पसंद करेंगे। तमाडा मीडिया प्रोडक्शन के राहुल तमाडा और साईदीप रेड्डी बोरा ने सीरीज को लेकर कहा, इसमें बदले की भावना वाली थ्रिलर का जोश और जुनून है, लेकिन असल में यह कहानी निजी नुकसान, वफादारी, पारिवारिक झगड़ों और राजनीतिक टकराव के बारे में है। हमें लगता है कि ये विषय दुनिया भर के दर्शकों के लिए दिलचस्प और मनोरंजक होंगे। यह सीरीज असलियत पर आधारित है। इसमें पोर्ट टाउन को फिर से बनाने से लेकर किरदारों और कहानी तक, हर चीज एक शानदार और दिलचस्प कहानी कहने के अनुभव में योगदान देती है।

कठोर पानी आपके बालों और त्वचा को बना सकता है अस्वस्थ, जानिए इसका असर

पानी की गुणवत्ता हमारे बालों और त्वचा के स्वास्थ्य पर गहरा असर डालती है। कठोर पानी में कैल्शियम और मैग्नीशियम जैसे खनिज अधिक होते हैं, जो बालों को रूखा और बेजान बना सकते हैं। इसके अलावा यह त्वचा को भी प्रभावित करता है, जिससे खुजली और रूखापन हो सकता है। इस लेख में हम जानेंगे कि कठोर पानी से बाल और त्वचा पर क्या–क्या असर पड़ते हैं और इसे कैसे कम किया जा सकता है।

बालों की चमक हो सकती है कम

कठोर पानी में मौजूद खनिज तत्व बालों की चमक को प्रभावित कर सकते हैं। इससे बाल बेजान और बिखरे हुए नजर आते हैं। इसके अलावा कठोर पानी से बालों की नमी भी कम हो जाती है, जिससे वे रूखे और बेजान लगते हैं। इस समस्या से बचने के लिए आप पानी साफ करने वाले उपकरण का उपयोग कर सकते हैं, जो पानी से कठोर खनिज तत्वों को हटाता है और बालों को मुलायम बनाता है।

बढ़ सकती है बालों के झड़ने की समस्या

कठोर पानी के इस्तेमाल से बालों का झड़ना बढ़ सकता है। इसमें मौजूद खनिज तत्व बालों की जड़ों को कमजोर कर देते हैं, जिससे वे टूटने लगते हैं। इसके अलावा कठोर पानी से बालों की जड़ों तक पोषण नहीं पहुंच पाता, जिससे बाल कमजोर हो जाते हैं और झड़ने लगते हैं। इससे बाल जड़ों से ही नहीं, बल्कि बीच से भी कमजोर हो जाते हैं। साथ ही इससे दो–मुंहें बाल भी हो सकते हैं।

बाल हो जाते हैं रूखे और बेजानः कठोर पानी से बाल रूखे और बेजान हो जाते हैं। इसमें मौजूद कैल्शियम और मैग्नीशियम जैसे खनिज तत्व बालों की नमी को छीन लेते हैं, जिससे वे बेजान और उलझे हुए दिखते हैं। इसके अलावा कठोर पानी से बालों की प्राकृतिक चमक भी कम हो जाती है, जिससे वे काफी बेजान से दिखाई देने लगते हैं। इस समस्या से बचने के लिए आप पानी साफ करने वाले उपकरण का उपयोग कर सकते हैं।

त्वचा पर खुजली और रूखापन

कठोर पानी न केवल बालों, बल्कि त्वचा पर भी असर डालता है। इससे त्वचा पर खुजली हो सकती है और वह रूखी भी पड़ सकती है। इसके अलावा कठोर पानी से त्वचा की नमी भी कम हो जाती है, जिससे वह बेजान और सूखी लगती है। इस समस्या से बचने के लिए आप पानी साफ करने वाले उपकरण का उपयोग कर सकते हैं और नियमित रूप से त्वचा की देखभाल पर ध्यान दे सकते हैं।

नमी बनाए रखने वाले उत्पादों का करें उपयोग

कठोर पानी की समस्याओं से निपटने के लिए नमी बनाए रखने वाले बालों की देखभाल के उत्पादों का उपयोग करें। इन उत्पादों में नमी देने वाले तत्व होते हैं, जो बालों को पोषण देते हैं और उन्हें मुलायम बनाते हैं। इसके अलावा ये उत्पाद बालों की जड़ों तक पोषण पहुंचाते हैं, जिससे वे मजबूत होते हैं और झड़ते नहीं। इसके अलावा त्वचा की देखभाल के लिए भी ऐसे ही उत्पादों का चुनाव करें, जो नमी को बहाल कर सकें।